हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 1992

खण्ड–1, अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 9 मार्च, 1992

पृश्ठ संख्या

राज्यपाल का अभिभाशण (सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	(1)1
भाोक प्रस्ताव	(1)18
घोशणाये	(1)1

क. अध्यक्ष द्वारा 1. सभापतियो के नामो की सूची	(1)28
2. याचिका समिति	(1)28
ख. सचिव द्वारा	
राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सम्बधी	(1)29
विजनैस ऐडवाजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)29
वाक आउट	(1)39
बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पर मतदान	(1)40
सदन की मेज पर रखे गए पुन रखे गए कागज पत्र	(1)40
वर्श 1991–92 के सप्लीमैटरी ऐस्टिमेटस सैकिन्ड इस्टालमैट पे ा करना	(1)42
ऐस्टिमेटस कमेटी की वर्श 1991–92 के सप्लीमैटरी ऐस्टिमेटस (सैकिन्ड इस्टालमैट) पे ा करना	(1)42

हरियाणा विधान सभा

सोमवार , 9 मार्च, 1992

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 15.32 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री ई ावर सिंह) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, in pursuance of Rule 18 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Asembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryna Legislative Assemble at 2.00 p.m today, the 9th March, 1992, under Article 176(1) of the Consitution.

A copy of the Address is laid on the Table of the House.

''माननीय अध्यक्ष महोदय एवम सदस्यगण''

मुझे हरियाणा विधान सभा के इस वर्श के प्रथम अधिवे ान मे आप सबका स्वागत करते हुए अत्यन्त हर्श हो रहा है। आपको तथा राज्य के सभी लोगो को मै अपनी हार्दिक भ्ाुभकामानाए देता हूँ।

2. हरियाणा राज्य को बने 2.5 वर्श हो गए है और हम एक नवम्बर, 1991 से 31 अक्तूबार 1992 तक रजत जयनती वर्श मना रहे है। प्रगति की तीव्र गति तथा समयबद्ध ढग से सामाजिक एवम आर्थिक विकास मे नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए सरकार ने 'विकास के नए सकल्प' नाम से 25 सूत्रीय कार्यक्रम तैयार किया है। आपसी भाईचारे और जन सहायेग के वातावरण द्वारा प्रजातान्त्रिक सस्थाओ को मजबूत करके '' ाान्ति और विकास'' इस कार्यक्रम का मुख्य उद्दे य है। राज्य मे पचायतो और नगरपालिकाओ के हाल ही मै हुए चुनाव इस दि ाा की और महत्वपूर्ण कदम है। निकट भविश्य मे पचायतो समितियो के चुनाव भी करवाये जा रहे है।

3. माननीय सदस्यगण, मै अपनी सरकार और हरियाणा की जनता की और से पजाब के अपने भाईयो को, आतकवादियो के सतत भय के बावजूद अपने मताधिकार का बिना किसी डर के प्रयोग करे प्रजातान्त्रिक ढग से चुनी हुई सरकार बनाने पर हर्दिक बधाई देता हू। मै भारत के प्रधान मंत्री, श्री पी0वी0 नर सिम्हा राव को भी बधाई देता हूं, जिन्होने पजाब की जनता को उचित मार्ग द र्ान और पराम र्ा दिय, जिससे यह स्पश्ट रूप से राश्ट्रीयता और प्रजातन्त्र मे अपनी आस्था को व्यक्त कर सकी। मुझे पूर्ण वि वास है कि हमारे राज्य तथा पजाब के बीच सभी बकाया मामले, श्री बेहन्त सिंह, जो कि एक दे ा भग्त और अनुभवो नेता है, के नेतृत्व मे चुनी हुई सरकार के साथ मंत्रीपूर्ण ढग से निपटा

लिए जाएगे। मुझे पूरा वि वास है कि सतलुज यमुना लिंक नहर का पानी जल्दी ही हरियाणा के खेतो तक पहुचे जाएगा।

4. वर्श 1991 के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति भाान्तिपूर्ण बनी रही और किसी प्रकार की नियोजित अव्वस्था भी नही हुई तथा राज्य भर मे विधार्थियो, श्रमिको या किसानो को किसी प्रकार की आन्दोलनकारी गतिविधियो भी नही हुई। साम्प्रदायिक स्थिति भाान्तिपूर्ण बनी रही तथा हरिजन और कमजोर वर्गो के लोग अब अपने आपको पहले से अधिक सुरक्षित महसूस करते है।

परन्तु पडौसी राज्य के आतकवाद का साया हमारे राज्य पर भी पडा। दिनांक 9 नवम्बर, 1991 को सिरसा मे 14 निर्दोश व्यक्तियो का निर्मम हत्या और दिनांक 5 दिसम्बर, 1991 को टोहाना मे 27 व्यक्त्यो के नरसहांर ने हमारे राज्य की भाान्तिप्रिय जनता को अत्यधिक मानसिक पीडा पहुचाई है। आतकवादियो ने मेरी सरकार के एक उच्च अधिकारी और उसके परिवार के सदस्यो की भी हत्या की। नरवाना के निकल रेल मे बम विस्फोट की दुर्घटना ने पांच लोगो की जाने ली। ये अत्यन्त निन्दनीय कृत्य है। यधपि किसी परिवार को उसके प्रियजनो की मृत्यु की कभी भरपाई नही की जा सकती, किन्तु मेरी सरकार ने साम्प्रादियक और आतकवादी गतिविधियो के ि ाकार हुए परिवारो को दी जाने वाली अनुग्रह रा ि ा पचास हजार रूपए से बढा कर एक लाख रूपए कर दी है।

आतकवादियो ने इन कायरतापूण्र कार्यो से मेरी सरकार के नि चय को उनका डटकर मुकाबला करने के लिए ओर भी बल मिला है। स्थिति का सामाना करने के लिए हमने कई कदम उठाए है। पुलिस बल को आधुनिक स्वचलित हथियार देने के इलावा गुप्तचर ढांचे को सुदृढ किया गया है और सीमावर्ती क्षेत्रो मे पुलिस की ग त बढा दी गई है नाजूक स्थिति का सामना करने के लिए 4 कमान्डो कम्पनियों की भर्ती का कार्य पूरा कर लिया गया है, जिन्हे प्र ि ाक्षण के प चात जरूरत वाले क्षेत्रो मे डयूटी पर तैनात कर दिया जाएगा। लगभग, 1600 सिपाहियो की भर्ती करके पुलिस बल मे प्राय सभी खाली स्थानो को भर लिया गया है।

कुछ समय पहले, कुछ गुमराह लोगो ने हमारी पुलिस को भडकाने और अनु ाासन हीनता पैदा करने की कोि ा ा की। मुझे इस बात की प्रसन्ना है कि मेरा सरकार द्वारा दक्षतापूर्ण और होि ायारी से व्यवस्था करने के कारण पुलिस बल उकसाने वालो के बहकावे मे नही आया और अपने कर्तव्यो के प्रति वफादार रहा।

मेरा सरकार ने पुलिस बल के कल्याण के लिए कई कदम उठाए है। वि ोश अनुग्रह की रा ि ा एक लाख रूपए से बढाकर दो लाख रूपए कर दी गई है। पहली बार पुलिस मे उपअधीक्षक स्तर तक के सभी कर्मियो को रा ान भता स्वीकृत किया गया है और हरियाणा स ास्त्र पुलिस बल के लिए भी यह रा ि ा बढा दी गई है। उप अधीक्षक स्तर तक के कर्मचारियो को

दिया जाने वाला किट अनुरक्षण भता बढाकर दुगुना कर दिया गया है। पुलिस बल को मकानो की उपलभ्यता मे सुधार लाने के लिए आगामी पाच वर्शा के दौरान सरकार ने पांच करोड रूपए प्रति वर्श खर्च करने का निर्णय लिया है। नए थानो के निमार्ण तथा पुराने थानो की मरम्मत के लिए अपेक्षित रा ि ा के प्रावधान मे वृद्धि की गई है।

मेरी सरकार ने डाक्टरो के सेवा सम्बन्धी मामलो मे सुधार लाने के लिए उन्हे कई प्रकार के लाभ देने का निर्णय किया है। डाक्टरो के नान प्रैक्टिसिंग भते की रा ि ा को 600 रूपये से बढाकर 900 रूपय कर दिया गया है, जो कि उनके मूल वेतन का हिस्सा समझा जाएगा, जिस पर महगाई भता भी मिलेगा। मेरी सरकार ने सभी डाक्टरो को प्रथम क्षेणी का दर्जा दे दिया है।

5. मेरी सरकार ने राज्य के त्रीव आर्थिक विकास तथा योजनागत प्रोग्रोमो को अमली रूप देने के लिए भरसक प्रयत्न किए। वर्श 1992–93 की योजना के लिए 830 करोड रूपए का परिव्यय अनुमोदित किया गया है जो चालू वर्श के स ाोधित परिव्यय से लगभग 15 प्रति त अधिक है मुख्य क्षेत्र, जिनको यह योजना, समर्पित की गई, वे है–– सामाजिक तथा सामुदायिक सेवाए 36.8 प्रति त, विधुत 25.3 प्रति त, सिचाई तथा बाढ नियत्रण 13.9 प्रति त तथा कृशि एवम सम्बद्ध कार्यकलाप 8.6 प्रति त ।

6. राज्य सरकार सामाजिक सेवाओ तथा सामाजिक सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है। राज्य के जरूरतमंद वरिश्ठ नागरिको और वि ोश रूप से समाज के निर्धन वर्ग के लोगो के लिए सामाजिक सुरक्षा हेतु दिनांक 1 जुलाई, 1991 से एक नई वृद्धावस्था पें ान योजना आरम्भ की गई है इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिय योजना मे एक विस्तृत आर्थिक कसौटी निर्धारित की गई है। पे ान प्राप्ति की पात्रता के लिए आयु की सीमा की 65 वर्श से घटा कर 60 वर्श दिया गया है। नई स्कीमो के अन्तगर्त अनुसूचित जातियो और पिछडे वर्गा के लोगो की सख्या मे औसतन 45 प्रति ात वृद्धि हुई है। वर्श 1991–92 के दौरान इस योजना पर 64 करोड 26 लाख रूपए की रा ि ा खर्च होने का अनुमान है जिससे 7.40 लाख लाभभेगियो को फायदा होगा दिनांक 2 अक्तूबार 1991 से विकलाग व्यक्तियो, निराश्रित महिलाओ तथा विधवाओ की दी जाने वाली पे ान की रकम 75 रूपए प्रतिमास से बढाकर 100 रूपए प्रतिमास कर दी गई है। वर्श 1991–92 के दौरान विकालागो की पै ान स्कीम के तहत 474.74 लाख रूपए खर्च करके 33,500 लोगो को फायदा पहुचाया जाएगा। निराश्रित महिलओ तथा विधवओ की पे ान स्कीम के तहत 20 करोड 4 लाख रूपए, 139350 व्यक्तियो पर खर्च किए जाने की सम्भावना है। सरकार ने नेत्रोहीनो को एक ही स्थान पर आधुनिक सस्थागत सेवाए उपलब्ध कराने के लिए पानीपत मे एक केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव किया है।

मेरी सरकार महिलाओ के कल्याण तथा उनके समूचे व्यक्तित्व और उनकी ि ाक्षा, उनकी सामाजिक तथा आर्थिक हैसियत मे सुधार लाने के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध है ताकि वे सामाजिक ढाचे तथा विकास की प्रक्रिया मे पुरूशो के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चल सके। हरियाणा की सभी ि ाक्षा सस्थाओ मे लडकियो के लिए स्नातक स्तर तक की ि ाक्षा नि ाुल्क दी गई है। अब निर्धन परिवारो को छात्राओ का मुफत किताबे, वर्दिया तथा लेखन सामग्री भी दी जा रही है।

रजत जयन्ती वर्श मे ग्रामीण महिलाओ के लिए कम लागत वाले एक लाख भाौचालयो का निर्माण किया जाएगा। हाल ही मे करनाल मे महिलाओ सम्बन्धी एक राज्य स्तरीय संगोश्ठी का आयोजन किया गया ।

समाज कल्याण के विभिन्न क्षेत्रो मे महिला एवम बाल विकास को विभिन्न स्कीमो को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक अलग महिला एवम बाल विकास निदे ाालय की स्थापना की गई है। भाहरो क्षेत्रो मे कामकजी महिलाओ की आव यकताओ को पूरा करने के लिए विभिन्न जिला मुख्यलायो पर 11 कामकाजी महिला होस्टल बने हुए है और जीन्द मे ऐसे एक होस्टल का निर्माण कार्य पूरा होने वाला हैं सरकार आव यकताओ और एक चरण बद्ध ढग से, इस सुविधा को सभी जिलो एवम ब्लाक मुख्यलायो तक पहुचाने की विचार रखती है।

एकीकृत बाल विकास कार्यक्रम के माध्यम से ि ा ुओ व दूध पिलाने वाली माताओ तथा गर्भवती महिलाओ को आव यकताओ को पूरा किया जा रहा है। अनुपूरक पोशण कार्यक्रम मे गुणवता और मात्रा की निर्धारित आव यकताओ को पूरा करने के लिए वर्श 1991–92 के दौरान प्रति व्यक्ति वार्शिक खर्च 207 रूपए से बढाकर 255 रूपये कर दिया गया है। एकीकृत बाल विकास सेवाओ के अन्तर्गत अधिकाधिक बच्चो को लाभ पहुचाने की दृश्टि से राज्य मे चल रही 92 एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजनाओ के इलावो वर्श 1992–93 मे 8 नई परियोजनाए भ ारू करने का सरकार का प्रस्ताव है। इस स्कीम के अन्तगर्त वर्श 1992–93 के लिए 2617.29 लाख रूपए का प्रावधान किया गया हैं।

7. कृशि के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण उपलब्धियो प्राप्त की गई है। जुलाई और अगस्त, 1991 के दौरान सूखा पडने के बावजूद खरीफ खाधान्न उत्पादन 21.92 लाख टन हुआ। धान की उत्पादकता अब तक सब से अधिक रही, जिसके परिणामस्वरूप 17. 48 लाख टन चावल का उत्पादन हुआ है। रबी की फसल की अच्छी द ा को देखते हुए 65 लाख टन गेहू और 7 लाख टन तौरिया सरसो का रिकार्ड उत्पादन होने की आ ा है।

सरकार ने कृशि के लिये अपेक्षित महत्वपूर्ण पदार्थ किसानो को उनकी दहलीज तक पहुचाने की पर्याप्त व्यवस्था की। चालू खरीफ के दौरान किसानो को 0.37 लाख क्विटल प्रमाणित

बीज, 2.37 लाख टन रासायनिक उर्वरक और 5.25 लाख लिटर धान खरपतवारना ाक बेचे गए। कृशि से सम्बन्धित इन अपेक्षित पदार्थो की अधिक लागत के प्रभाव को कम करने के लिए धान पर 25 प्रति ात और मक्की, बाजरा और बिनौली पर 400 रू0 प्रति क्विटल की दर से आर्थिक सहायता दी गई। धान खरपतवारना ाक और जिंक सल्फेट 20 प्रति ात आर्थिक सहायता पर बाटा गया। रबी मौसम के लिए अपेक्षित पदार्थो की सप्लाई के लिए विस्तृत प्रबन्ध किए गए थे। विभिन्न रबी फसलो के 1.55 लाख क्विटल प्रमाणित बीज वितरित किए गए। गेहू पर 25 प्रति ात की दर पर और चने तथा तोरिया सरसो के बीजो पर 300 रूपए प्रति क्विटल की दर पर आर्थिक सहायता दी गई। चालू रबी के दौरान उर्वरको पोशक तत्वो की 4.34 लाख टन खपत होने के आ ाा है जबकि गत रबी मौसम के दौरान 3.78 लाख टन खपत हुई थी।

सरकार ने पिछले वर्श 23000 हैक्टेयर क्षेत्र के मुकाबले मे एक लाख हैक्टेयर क्षेत्र पर सूरजमुखी की खेतो करने की एक महत्वकाक्षी योजना बनाई है। वर्श 1992–93 के दौरान 102.40 लाख टन खाधान्नो के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसके खरीफ के लिए 29.30 लाख टन और रबी के लिए 73.10 लाख टन का लक्ष्य भाामिल है। गन्ने, कपास और तिलहन उत्पादन का लक्ष्य क्रम ाः 8.80 लाख टन गुड, 13 लाख गाठे और 7.76 लाख टन निर्धारित किया गया है। तदनुसार 2.11 लाख क्विटल

प्रमाणित बीज और 7.115 लाख टन रासायनिक उर्वरक पोशक तत्वो के रूप मे वितरित करने का लक्षय निर्धारित किया गया हैं

सरकार को राज्य में बागवानी के महत्व का भी अहसास है। आठवी पच वर्शीय योजना अवधि के लिए 40 करोड रूपये और वर्श 1992–93 के लिए 6 करोड रूपये निर्धारित किए गए है, जबकि वर्श 1991–92 मे इसके लिए 2.10 करोड रूपये निर्धारित किए गए थे। बागबानी उत्पादन की मार्किटिग प्रौसेसिंग सम्बन्धी कठिनाईयो को दूर करने के लिए सरकार ने कुण्डली मे एक अति आधुनिक केन्द्र स्थापित करने की योजना बनाई है।

मेरी सरकार ने, खरीफ की फसले धान, बाजरा, कपास, गन्ने और रबी की फसले चना, गेहू, सूरजमुखी तथा तिलहन की अधिकतक प्रति हैक्टयर उपज लेने तथा का ताकारी के नवीन ढगो को इस्तेमाल करने वाले किसानो को, जिला तथा राज्य स्तर पर इनाम तथा प्र ासा पत्र देकर सम्मानित करने का निर्णय किया है। जिला स्तर पर इनाम तथा प्र ांसा पत्र देकर सम्मानित करने का निर्णय है। जिला स्तर पर उपरिलिखित प्रत्येक फसल पर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर आने वाले किसानो को क्रम ाः 10000 रूपए, 5000 रूपए तथा 3000 रूपये का इनाम दिया जाएगा। राज्य स्तर पर प्रत्येक फसल के लिए 20000 रूपए का इनाम दिया जाएगा।

इसी प्रकार बेर, आम, अगुर, सिटरस अर्थात किन्नू/माल्टा तथा आलू, टमाटर, प्याज, म ारूम उगाने वाले तथा का ताकारी के नवीन ढग को उपायोग मे लाने वाले प्रथन, द्वितिय तथा तृतीय स्थानो पर आने वाले किसानो को क्रम ा 10000,5000 तथा 3000 रूपये का इनाम दिया जाएगा। फलो और सब्जियो की प्रत्येक फसल के लिए राज्य के सर्वोत्म उत्पादक को 20000 रूपये का इनाम दिया जाएगा।

8. रजत जयन्ती समारोह के उपलक्ष्य मे किसानो के हित के लिए कृशि, ग्रामीण विकास, विज्ञान तथा प्रौधोगिकी के क्षेत्र मे हुई प्रगति की जानकारी देने के उददे ाय से 28 फरवरी 1992 को रोहतक मे हमारा खेत हमारा गांव नाम से कृशि तथा ग्रामीण विाकस पर एक राज्य स्तरीय विकास चौपाल का आयोजन किया गया। ''कृशि मे विविधता'', ''कृशि मे सहकारिता'', कृशि मे प्लास्टिक और इलैक्ट्रानिक्स'', ''एकीकृत का तकारी दृश्टिकोण'', ''ग्रामीण सफाई तथा विकास'', और ग्रामीण विकास मे उधोगो की भूमिका'' के विशयो पर सामूहिक परिचर्चा की गई। मेरी सरकार का नारा है ''हर खेत मे हरियाली–हर घर हर गांव मे खु ाहाली''।

9. सरकार, राज्य मे सिचाई के विकास को उच्च प्राथमिकता देती है। मेरी सरकार पजाब मे सतलुज यमुना लिंक नहर परियोजना को भीघ्र पूरा करने के लिए भारत सरकार पर जोर डाल रही है। इस बीच सरकार उचित जल, प्रबन्ध, जल

सरक्षण और सिचाई साधानो के अनुरक्षण द्वारा सिचाई को बढाने का प्रयास कर रही है। पानी के वहन मे होने वाले नुकासान को कम करने के लिए अनेक स्कीमे अपनाई गई। विधामान जलमार्गो का 12.14 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र जून से दिसम्बर 1991 तक पक्का कर दिया गया तथा 627 किलोमीटर और पक्के खालो का निर्माण भी यिका गया। इस प्रकार बचाए गए पानी से 10000 हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र की सिचाई की जा सकेगी।

किसानो की सुविधा के लिए मेरी सरकार ने भू राजस्व रिकार्ड का कम्पयूटरीकरण करने का फैसला किया है। यह पद्धति पहली बार जिला रिवाडी मे हाल मे भाुरू की गई है। धीरे धीरे यह सुविधा अन्य जिलो मे भी पहुचाई जाएगी।

10. मेरी सरकार, राज्य के लिए पर्याप्त बिजली की सप्लाई की आव यकता के प्रति सचेज है। इसकी उपलभ्यतो को बढाने के लिए वि ोश अभियान भारू किया गया था और गत वर्श की अपेक्षा 25 प्रति ात से 30 प्रति ात तक की वृद्धि करने मे सफलता प्राप्त की। पिछले वर्श 315 लाख यूनिट के मुकाबले मे इस वर्श 2 अगस्त 1991 तक 351 लाख यूनिट की रिकार्ड सप्लाई की गई। कुल उत्पादित बिजली का 58.5 प्रति ात ग्रामीण क्षेत्रो मे उपभोग्तओ को बेचा गया जबकिक गत वर्श के दौरान उन्हे 54.5 प्रति ात बिजली बेची गई थी। इसके अतिरिक्त सरकार ने अधिक मांग को पूरा करने के लिए 20000 नलकूपो को बिजली देने का निर्णय किया है। बिजली के प्रभावी वितरण के लिए 220 के0वी0

क्षमता वाला एक, 132 के0वी0 क्षमता वाले चार, 66 के0वी0 क्षमता वाले दो और 33 के0वी0 क्षमता वाले पांच उप स्टे ान चालू किए गए। पानीपत तथा फरीदाबाद मे ताप बिजली सयत्रो का नवीकरण तथा आधुनिकीकरण किया जा रहा है। माननीय प्रधान मंत्री ने निकट भविश्य मे फरीदाबाद मे गैस आधारित ताप सयत्र की आधारि ाला रखने के लिए सहमति दी है।

11. सहकारिता की आर्थिक विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, वि ोशकर ग्रामीण क्षेत्रो मे। सरकार ने कर्जो की अदायगी न कर सकने वाले कर्जदारो पर बढते हुए ब्याज के बोझ को ध्यान मे रखते हुए उत्पादन प्रोत्साहन स्कीम को लागू किया। इस स्कीम के तहत 1 जुलाई 1984 के प चात दिए गए कर्जो पर उपचित ब्याज की रा ि ा कर्जदारो को प्रोत्साहन के रूप मे दी गई, ब ार्ते कि वे 31 जनवरी, 1992 तक अपने बकाए वापिस कर दे। यह स्कीम 2 अक्तूबर, 1991 से कार्यान्वित की गई आपैर इससे 320066 लाभभोगियो को 50.43 करोड रूपए की राहत दी गई। इस नई स्कीम ने करो के लेन देन की प्रणाली को पुन क्रियाि ाल कर दिया है। अब किसान फिर से बेहतर कृशि उपज के लिए हरियाणा के सहकारी बैको से कर्ज लेने की स्थिति मे हो गए है।

390.57 करोड रूपए को माग के मुकाबले 268.47 करोड रूपए के अल्पावधि कर्जे वसूल किए गए। यह गत 10 वर्शो के खरीफ मौसम का एक रिकार्ड है। दीर्घावधि कर्जे योजना के अन्तगर्त 135.02 करोड रूपए की मांग के मुकाबले 55.43 करोड

रूपए की रा ि ा वसूल की गई। इतनी अधिक वसूलो उत्पादन प्रोत्साहन स्कीम के कारण सम्भव हो पाई ग्रामीण लोगो की विभिन्न आव यकताओ को पूरा करने के दृश्टिगत 31 दिसम्बर, 1991 तक अल्प तथा मध्यम आवधिक कर्ज के रूप मे 211.57 करोड रूपए के तथा दीर्घावधि कर्ज के रूप मे 26.33 करेाड रूपए के ऋण दिए गए है।

सरकार ने गन्ने की दर 3 रूपए प्रति क्विटल बढा दी है जिससे कारखानो को 15 करोड रूपए तक का लाभ हुआ। कैथल, महम और भूना चीनी मिलो ने नियमित रूप से गन्ना पोडना भाुरू कर दिया है जिससे सहकारी क्षेत्र मे चीनी मिलो की कूल क्षमता 9800 टी0सी0डी0 से बढकर 17300 टी0सी0डी0 हो गई है।

राज्य मे सर्वश्रेश्ठ गन्ना उत्पादनक को 21000 रूपये का नकद इनाम, जबकि दूसरा और तीसरा स्थान पाने वाले को क्रम ाः 15000 और 11000 रूपए का इनाम दिया जाएगा। प्रत्येक सहकारी गन्ना मिल मे ऐसे गन्ना उगाने वाले को, जिसका सबसे बढिया उत्पादन हो, प्रथम 11000 रूपए, द्वितीय 7000 रूपए, तृतीय को 5000 रूपए का नकद इनाम दिया जाएगा।

दूध का प्राप्ति मूल्य 75 रूपए प्रति किलोग्राम बसा से बढाकर 90 रूपए प्रति किलोग्राम बसा कर दिया गया। सिरसा मे एक लाख लिटर प्रतिदिन की क्षमता वाले दूध सयत्र का निर्माण

किया जा रहा है। जिसकी दिसम्बर 1992 तक पूरा हो जाने की सम्भावना है।

मेरी सरकार हरियाणा के ग्रामीण विकास की और वि ोश ध्यान दे रही है। पचायतो को परिवारो नियोजन तथा छोटी बचतो के कार्यक्रम चलाने, अतिक्रमण दूर करने और महिला मण्डल स्थापित करने के क्षेत्र मे उत्कृश्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप हरियाणा के प्रत्येक जिले के प्रथम तीन गावो को एक लाख, पचास हजार रूपए तथा पच्चीस हजार रूपए का पहला, दूसरा और तीसरा इनाम दिया जाएगा।

हरियाणा के सभी पंचो और सरपचो को पहचान पत्र जारी करने का भी फैसला किया गया है ।ताकि उनको मान्यता दी जा सके और उनकी सरकारी कार्यालयो मे विकास कार्यो को तेजी से पूरा करवाने के लिए पहुच हो सके।

12. बैको के राश्ट्रीयकरण के समय हरियाणा मे केवल 174 बैक भााखसए थी जिनके कुल निक्षेप 64.10 करोड रूपए और कुल पे ागी 30.27 करोड रूपय की थी। सितम्बर, 1991 तक बैक भााखओ की सख्या 1262 हो गई है जिनके कुल निक्षेप 4332 करोड रूपए की और कुल उधार 2348 करोड रूपए के है। वर्श 1991–92 के लिए बैको की वार्शिक ऋण योजनो मे 10.17 लाख व्यक्तियो को 909.32 करोड रूपए का ऋण देने का लक्ष्य है। अप्रैल से सितम्बर, 1991 तक 33.9 प्रति ात उपलब्धि हुई है। वर्श

1991 मे वाणिज्यिक ओर ग्रामीण बैको को अ ादान 40.7 प्रति ात से कम होकर 34.6 प्रति ात रह गया है। हरियाणा कृशिस ऋणिता अवमुक्ति अधिनियम, 1989, लागू किए जाने के कारण ट्रैक्टरो, नलकूपो जैसे विभिन्न कार्यो के लिए ऋणो के वितरण पर प्रतिकूल प्रभाव पडा। भारत सरकार तथा रिजर्व बैक से भी इस अधिनियम के विरूद्ध आपत्ति उठाई है। सरकार ने अग इस अधिनियम मे स ाोधन किया है और वाणिज्यिक बैको और प्रादे ि ाक ग्रामीण बैको को इससे क्षेत्राधिकार से निकाल दिया है। सरकार ने बैको से अनुरोध किया है कि वे हरियाणा मे तेजी से ऋण दे। इसका प्रभाव मई, जून, 1992 तक सामने आएगा।

हरियाणा के तीन सर्वोत्तम सहकारी बैको को सम्बद्ध सोसायटियो के सदस्यो के लिए अतिरिक्त सुविधाए जुटाने हेतू 2 लाख, 11 लाख और 1 लाख रूपये का पहला, दूसरा और तीसरा इनाम दिया जाएगा। एक प्राथमिक भूमि विकास बैक को भी उस द्वारा अपने भवन का निर्माण करने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप 5 लाख रूपए दिए जाएगे।

13. जनता को सुविधा हेतु एवम प्र ाासन को उसके और नजदीक लाने के लिए राज्य सरकार ने राज्य के जिलो का पुनगर्ठन किया है। उस मण्डल कोसली, गन्नौर तथा उप तहसीले बल्लाह, बादली और चोटला दिनांक 24 जुलाई, 1991 से समाप्त कर दी गई। इसके अतिरिक्त छ गावो को छोडकर तसहील गोहाना को सोनीपत जिले से मिला दिया गया है। और भिवानी

जिले की सिवानी तहसील को हिसार जिले मे मिला दिया गया है। हिसार जिले की उपतहसील आदमपुर का दिनांक 12 दिसम्बर, 1991 से तहसील को दर्जा दे दिया गया है। क्षेत्र की जनता की अकाक्षाओ के मद्देनजर जिला पानीपत का दर्जा, जो कि 24 जुलाई, 1991 को समाप्त किया गया था, 1 जनवारी, 1992 से तहसील का दर्जा दे दिया गया है। जनता की मांग को ध्यान मे रखते हुए जिला महेन्द्रगढ मे अटेली, जिला हिसार मे बरवाला और अम्बाला जिला मे अम्बाला छावनी, तीन उप तहसीले हाल मे बनाई गई हैं

सरकार ने 16 जनवरी 1980 को मेवात बोर्ड का गठन किया ताकि मेवात क्षेत्र के निर्धन लोगो की दशा मे सुधार करके उनके सामाजिक तथा आर्थिक पिछडेपन को दूर किया जा कसे। कृशि, पशुपालना, शिक्षा, स्वास्थय, जल सप्लाई तथा सिचाई आदि के क्षेत्र मे विभिन्न विकास स्कीमे लागू की जा रही है। वर्श 1991–92 मे इन स्कीमो के लिए 330 लाख रूपए का परिव्यय प्रतावित किया गया है, जिसमे से वर्श 1992–93 के दौरान 375 लाख रूपए की राशि खर्च की जाएगी।

14. राज्य के त्रीव आर्थिक विकास के लिए उधोगो की महत्वपूर्ण भूमिका है। हरियाणा के औधोगिक विकास को तेजी से बढावा देने के लिए मेरी सरकार ने नई औधोगिक नीजि की घोशणा की है, जो 1 अप्रैल, 1992 से लागू होगी। नई नीति के अन्तगर्त अन्य प्रोत्साहनो के अतिरिक्त, उदार आर्थिक सहायता भी

प्रदान की जायेगी तथा कृशि आधारित, खाध प्रसक्करण और इलैक्ट्रानिक उधोगो को वि ोश महत्व दिया जाएगा।

सन्तुलित क्षेत्रिय विकास को सुनि चत करने के लिए सरकार ने पिछर्ड क्षेत्रो का दायरा और विस्तृत कर दिया है तथा इसमे भाामिल 27 विकास खण्डो की सख्या बढाकर 68 का दी गई है। पिछडे क्षेत्रो के उत्थान के लिए भारत सरकार की सहायता से 40 करोड रूपए के निवे ा से दो विकास केन्द्र स्थापित किए जाएगे। इन विकास केन्द्रो मे उधोगो के लिए सभी प्रकार की सुविधाए होगी। विदे ाी निवे ा तथा भातप्रति ात निर्यात उन्मुखी यूनिटो को आकर्शित करने के लिए वि ोश प्रोत्साहन दिए जाएगे जैसे कि प्लाटो का नियान्त आरक्षण, विदे ाी ईक्विटी भागीदारी, रिहाय ाी प्लाटो का आरक्षण, आदि 1 वश्र 1992–93 के दौरान राज्य मे लगभग 40 बडे तथा माध्यम यूनिट स्थापित किए जाने की आ ाा है। वर्श 1991–92 के लिए 19.86 कारोड रूपए का परिव्यय अनुमोदित किया गया है और वर्श 1992–93 के लिए इसे बढाकर 25.29 करोड रूपए कर दिया गया है।

हरियाणा मे भारतीय एवम प्रवासी भारतीय उधोग लगाने के लिए आकर्शित करने हेतू दिल्ली मे ''हरियाणा मे निवे ा के लिए अवसर'' विशय पर 28 जनवरी, 1992 को एक अनतर्राश्ट्रीय सगोश्ठी आयोजित की गई। इस सगोश्ठी मे बहु राश्ट्रीय कम्पनियो के प्रतिनिधियो और उनके भारतीय सहायोगियो, प्रवासी भारतियो तथा लगभग 400 प्रमुख भारतीय उधोगपतियो ने भाग लिया।

भारत सरकार ने भी हरियाणा की नई ओधोगिक नीति की प्र ासा की है।

15. वि व भर के इलैक्ट्रानिको उधोग के विकास के साथ साथ कदम मिलाकर चलने के लिए हरियाणा ने कई स्कीमो बनाई है और उन्हे अमली जामा पहनाया है।''प्रिसिजन मकेनिकल डिजाइन एण्ड ऐसोसिएटिड फैसिलीटीज'' नामक परियोना यू0एन0डी0पी0 की सहायता से स्थापित की जा रही है तथा इस पर सयुक्त राश्ट्र से 21 लाख अमेरिका डालर की सहायता मिलेगी तथा राज्य सरकार द्वारा 2.05 करोड रूपए खर्च किए जाएगे। अत्याधुनिक उच्च तकनीकी तथा निर्यातोन्मुखी, इलैक्ट्रानिक उधोग के लिए गुडगाव मे इलैक्ट्रानिक सिटी, बनाया जा रहा है। जिसमे अत्याधुनिक सुविधाए प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार गुडगाव मे भारत सरकार के इलैक्ट्रानिक विभाग के सहयोग टैकलोजी पार्क बनाया जा रहा है। हरियाणा मे इलैक्ट्राकिन उधोग मे इस बढते हए रूझान से 450 करोड रूपए के इलैक्ट्राकिन माल का वार्शिक उत्पादन 1993–94 तक 1000 करोड रूपये तक पहुच जाने की सम्भावना है।

16. उधोग और अन्या एजेन्सियो के लिए तकनीकी प्र ाक्षित सभी डिग्री तथा डिप्लोम धारको की आव यकताओ को पूरा करने के लिए राज्य मे 24 तकनीकी संस्थान चलाए जा रहे है। उनकी क्षमता बढाने और गुणवता तथा कार्यक्षमता मे सुधार लाने के विचार से 8वी पंच वर्शीय योजना के दौरान 81 करोड

रूपए की लागत से वि व बैक की एक परियोजना भाुरू की जाएगी। इस परियोजना के अन्तर्गत हिसार, नारनौल, उटावड फरीदाबाद तथा फरीदाबाद मे चार नए पालिटैकनिक भी स्थापित किए जाएगे।

17. उधोगो की कु ाल ि ाल्पकारो की मांग को पूरा करने और ि ाक्षित युवाओ के लिए स्वत रोजगार के अवसर बढाने हेतू, 8वी योजना के दौरान तीन नई औधयोगिक प्रि ाक्षण संस्थाए खोली जाएगी और औद्योगिक प्रि ाक्षण सस्थाओ की अ ाकालिक श्रेणियो को पूर्णकालिक औदयोगिक प्रि ाक्षण सस्थाए बना दिया जाएगा। राज्य के अलग अलग आठ स्थानो पर आव यकतानुसार ''प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को कार्य'' स्कीम के अन्तर्गत कार्यक्रम भाुरू किया जाएगा।

18. मेरी सरकार के सार्वजिनक वितरण प्रणाली को कारगर ढग से चलाने के लिए अनेक कदम उठाए है। इस समय उचित मूल्य का 6782 दुकाने (4619 ग्रामीण क्षेत्रो मे और 2163 भाहरो क्षेत्रो मे) अनिवार्य वस्तुओ के वितरण का कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने रोहतक, रिवाडी, नारनौल, भिवानी, सिरसा और हिसार के सूखा ग्रस्त जिलो के 44 खण्डो के ग्रामीण क्षेत्रो मे उचित मूल्य की 289 नई दुकाने खोलकर इस प्रणाली को सुदृढ बनाया है। 1000 से अधिक की जनसख्या वाले प्रत्येक गावो मे ऐसी और दुकाने खोले जा रही है। राज्य के सभी उपभोक्ताओ

को 31 मार्च, 1992 तक नए लैमिनेटिड रा ान कार्ड जारी करने का निर्णय लिया गया है।

19. मेरी सरकार ने राज्य के राजस्व में वृद्धि करनें के लिए वि ोश प्रयास किए है। चालू वर्श 1991–92 के दौरान दिसम्बर, 1991 तक 780.62 करोड रूपए राजस्व एकत्रित किया गया जो गत वर्श मे इसी अवधि के दौरान एकत्रित राजस्व से 26. 55 प्रति ात अधिक है। वर्श 1992–93 के लिए 1260 करोड रूपए राजस्व एकत्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आने वाले वर्शा मे वसूली मे सुधार करने के लिए कमप्यूटर के प्रयोग को बढावा देने और गुप्तचर तथा राजस्व की चोरी रोकने वाले विंग के कार्यचालन को प्रभावी बनाने के लिए कदम उठाए गए है। वसूली बढाने के प्रयत्नो को जारी रखते हुए सरकार राज्य की विकास आव यकताओ के प्रति भी जागरूक है। तदनुसार राज्य मे डबल रोटी उधोग को बढावा देने और इस खाध पदार्थ के उपभोग्ताओ को राहत देने के लिए 1 अप्रैल, 1991 से डबल रोटी को बिक्री कर से छूट दी गई प्रमाणीकृत बीजो को भी 1 अप्रैल, 1991 से बिक्री कर से छूट दी गई ताकि किसानो कृशि उत्पादन को बढाने के लिए उनका अधिक से अधिक उपयोग कर सके। इसके अतिरिक्त उधोगो को कर संबधी रियासते देने के लिए कुछ कठिन प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है। राश्ट्रीय तथा राज्य राजमार्गो पर यातायात को सुगम बनाने के लिए परिवहन विभाग

तथा आबकारी और कराधान विभाग की जांच चौकियो का 2 अगस्त, 1991 से विलय कर दिया गया है।

20. सरकार ''2000 ईसवी तक सभी के लिए अच्छा स्वास्थय'' के उददे ाय को प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयत्नी ील है। स्वास्थय देखरेख प्रणाली जिसमे माता एवम ि ा ु स्वास्थय परिवर कल्याण सेवाए भाामिल है, मे सुधार लाने के लिए सरकार ने सातवी राश्ट्रीय परिवार कल्याण प्र ि ाक्षण एवम मानव संसाधन तथ जनसख्या सेवा परियोजना स्वीकृत की है। पहले इस पिरयोजना पर 28.90 करोड रूपए की लागत निर्धारित की गई थी, परन्तु अब भारत सरकार ने इसे स ोधित करके 42. 42 करोड रूपए कर दिया है। इसकी 90 प्रति ात रा ि ा भारत सरकार द्वारा और भोश 10 प्रति ात हरियाणा सरकार द्वारा वहन की जाएगी। इस परियोजना के अन्तगर्त जिन भवनो का निर्माण किया जाएगा उनमे 451 उपकेन्द्र, 50 सामुदायिक ि ाक्षा एवम प्र ि ाक्षण केन्द्र तथा 16 जिलो प्र ि ाक्षण केन्द्र भाामिल है। आ ाा है कि इन सभी भवनो का निमार्ण कार्य आधा वर्श मे पूरा हो जाएगा। राज्य स्वास्थय एवम परिवार कल्याण सस्थान ने कार्य करना भाुरू कर दिया है। यह सस्थान चिकित्सा अधिकारियो के लिए इन्डक ान पाठयक्रमो के अतिरिक्त मुख्य प्र ि ाक्षको और मध्य तथा उच्च स्तरीय कार्यक्रम प्रबन्धको को प्र ि ाक्षण देगा।

सरकार ने 28 प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र स्वीकृत किए है, जिनके निकट भविश्य मे स्थापित किए जाने की सभावना है।

ग्रामीण क्षेत्रो मे सेवाओ के विस्तार के लिए, वर्श 1992–93 के लिए 8 सामुदायिक स्वास्थय केन्द्रो का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। रजत जयन्ती वर्श के दौरान पोलियो उन्मूलन की ओर वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भातप्रति ात ि ा ुिओ को पोलियो के टीक लगाए जाएगे ताकि हरियाणा पोलियो रहित राज्य बनाया जा सके।

21. मेरी सरकार अधिक से अधिक लोगो को भौक्षणिक सुविधाए देने को उच्च प्राथमिकता देती है। चालू वर्श के दौरान लडकियागे के लिए 100 प्राइमारी स्कूल खोले जाएगे। 29 प्राईमारी, 64 मिडल तथा 72 उच्च विधालयो का दर्जा बढाकर उन्हे क्रम ाः मिडल, उच्च तथा माध्यमिक बना दिया गया है। वर्श 1992–93 के दौरान 100 और कन्या प्राथमिक विधालय खोले जाने का प्रस्ताव है तथा 25 प्राथमिक, 25 मिडल और 10 उच्च विधालयों का दर्जा बढाया जाएगा जिनमे पहली से पाचवी श्रेणी मे 55000 तथा छठी से आठवी श्रेणी मे 60000 अतिरिक्त बच्चो को दाखिला दिया जा सकेगा। राज्य सरकार आठवी पंचवर्शीय योजना के अंत तक प्राथमिक ि ाक्षा का व्यापक प्रसार करने के लिए भरसक प्रयत्न कर रही है। जिला साक्षरतो परियोजनओ के माध्यम से 1997 तक भात प्रति ात साक्षरता प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया हैं ऐसी एक परियोजना पानीपत जिले मे भुरू की जा चुकी है और वर्श 1992–93 के दौरान इसका विस्तार यमुनानगर, अम्बाला और फरीदाबाद जिलो मे किया जाएगा।

22. सरकार, राज्य के खेलो के विकास को यथोचित महत्व दे रही है। हरियाणा के अनेक खिलाडियो ने राश्ट्रीय तथा अन्तर्राश्ट्रीय प्रतियोगितओ मे सराहनीय उपलब्धियो प्राप्त की है। फरीदाबाद मे राज्य खेलकुद केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया हैं और यमुनानगर मे खेलकुद महाविधालय स्थापित करने का प्रस्ताव है। इस सम्बन्ध मे जागरूकता पैदा करने के लिए प्रति वश्र जनवारी मास के पहले रविवार को खेलकुद दिवस मानाया जाता है।

23. सरकार ने 6745 गावो मे रहने वाले हरियाणा के लोगो को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की है। यह तथ्य उत्साहवर्धक है कि 31 जनवरी, 1992 तक 6677 गावो की स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया जा चुका है। अब केवल 68 गाव रह गए है। जिन्हे यह सुविधा 31 मार्च 1992 तक उपलब्ध कर दी जाएगी। आगामी वर्श मे सरकार उन गावो, जहां विभिन्ना कारणो से प्रति व्यक्ति जल सप्लाई कम हो गइ। है, मे जल स्पलाई स्तर को सुधारने पर जोर देगी और इस प्रयोजना के लिए 8वी पंच वर्शीय योजना जल सप्लाई स्कीमो के लिए 2360 लाख रूपए का प्रावधान किया जाएगा, जो अधिका ातः आवर्धन स्कीमो के लिए खर्च किया जाएगा। इसके अतिरिक्त हिसार, सिरसा, भिवानी, रोहतक, महेन्द्रगढ और रेवाडी जिलो के 341 गावो मे मरूस्थल विकास योजना के तहत भारत सरकार की सहायता से 70 लिटर तक जल सप्लाई आवर्धन स्कीमो का कार्य

भुरू किया गया है। और इसके लिए 1027 गावो मे 110 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक जल सप्लाई स्तर का आवर्धन करने हेतु एक नया कार्यक्रम आरम्भ किया जा रहा है जिससे घरो मे कनैक ान देना सम्भव हो जाएगा। आठवी पंच वर्शीय योजना के दौरान 120 बडे गावो मे इस स्कीम को लागू किया जाएगा।

24. चालू वित्त वर्श के राज्य की योजना मे 2 करोड रूपए तथा भारत सरकार से 15 लाख रूपए के प्रावधान से गावो मे प्रत्येक घर मे हाथ से पानी डालने वाले फल ा भाौचालयो की व्यवस्था करने के लिए एक महत्वकाक्षी कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। आगामी वित्त वर्श मे इस प्रयोजनार्थ राज्य योजना मे 2.70 करोड रूपए का उपबन्ध किया गया है और भारत सरकार से भी उपायुक्त सहायता प्रदान करने के लिए अनुरोध किया जाएगा।

राज्य मे नगरपालिका की कमजोर आर्थिक स्थिति के मद्देनजर, राज्य सरकार ने नगरो मे पानी की सप्लाई तथा जल मल निकास सुविधाओ मे सुधार लाने के लिए चालू वर्श मे 660 लाख रूपए का प्रावधान किया है। वर्श 1992–93 मे इस रािा को बढाकर 980 लाख रूपए कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त वर्श 1992–93 मे गुडगाव, फरीदाबाद, सोनीपत, पानीपत और करनाल जैसे नगरो मे, जिनका जल मल यमुना नदी के पानी को दुशित कर रही है भी भारत सरकार तथा बाहय सहायता से जल उपचार सुविधाए भुरू की जाएगी।

25. मेरी सरकार राज्य मे सडको तथा भवनो के निमार्ण एवम सुधार को उच्च प्राथमिकता देती है। चालू वर्श मे 180 किलोमीटर नई सडक बनाने का तथा 220 किलोमीटर सडको को मजबूत तथा चौडा करने का प्रस्ताव है। सडको की मुरम्मत का भी एक बडा कार्यक्रम आरम्भ किया गया है। सडको की मुरम्मत के लिए बजट प्रावधान को 14 करोड रूपए बढा दिया गया है। चालू वित वर्श मे 9 पूलो को भी पूरा करने का प्रस्ताव है। करनाल कैथल सडक पर एक पुल को पूरा करके यातायात के लिए खोला दिया गया। फरीदाबाद, सोनीपत मे एक एक और पानीपत मे दो ओर ऐसे पूलो का कार्य आरम्भ किया जा रहा है। इसके अलावा सात अन्य पुलो का कार्य प्रगति पर है, जिन्हे आगामी वर्श मे परा किया जाएगा।

समालखा से करनाल तक राश्ट्रीय राजमार्ग न0 1 पर फौर लेनिग का काम पुन आरम्भ कर दिया है जिसकी जून, 1994 तक पूरा होने की सम्भावना है बल्बगढ से हरियाणा उत्तर प्रदे ा सीमा तक राश्ट्रीय राजमार्ग नबर 2 पर फौर लेनिंग का कार्य, जो कि एि ायन विकास बैक कार्यक्रम के तहत किया जाना है का ि ालान्यास दिसम्बर, 1991 मे किया गया । यह काम भी अप्रैल 1995 तक पूरा होने की उम्मीद है।

वर्श 1992–93 मे नई सडको के निमार्ण तथा मौजूदा सडको की मरम्मत के इलावा राज्य के राजमार्गो तथा जिलो की

प्रमुख सडको मे सुधार और उन्हे चौडा करने का काम भी चलाया जाएगा।

26. सरकार लोगो को आवास के लिए स्वस्छ वातावरण प्रदान करने हेतू तथा विभिन्न प्रकार की जरूरतो के लिए भूमि उपलब्ध करवाने के लिए चयनबद्ध है। रजत जयन्ती वर्श के उपलक्ष्य मे सरकार ने कुछ क्षेत्रो पर वि ोश ध्यान केन्द्रित करने का निर्णय लिया है जैसा कि भूमि अर्जन हेतू बाजरी दरो पर मुआवजा देना, निर्वासित व्यक्तियो के लिए रिहाय ाी प्लाट देना, विभिन्न भाहरो सम्पदाओ मे 15 नए सैक्टरो का विकास, भाहरी सम्पदाओ का रख रखाव तथा सौन्दर्यकरण, सडको की मरम्मत और गलियो मे रो ानी का प्रबन्ध, कमजोर वर्गो के लिए 20 प्रति ात प्लाटो का आरक्षण तथा सरकारी कर्मचारियो के कोटे मे से 20 प्रति ात प्लाट सेवा निवृत कर्मचारियो के लिए आरक्षित करना। नवम्बर, 1991 मे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के लिए 1200 प्लाट आवास बोर्ड हरियाणा को 200 रूपए प्रति गज की दर पर आबटित किए गए।

27. लोगो की आवास सम्बन्धी जरूरतो को पूरा करने के लिए आवास बोर्डा, हरियाणा द्वारा वर्श 1991–92 मे विभिन्न श्रेणियो के लगभग 2500 मकानो का निर्माण पूरा कर लेने की आ ाा है। वर्श 1992–93 मे 10000 नए मकानो का निर्माण भाुरू करने का लक्ष्य है, जिसमे से 5000 मकान वर्श के दौरान पूरे हो जाएगें सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो को उनके मकानो के

निर्माण और मरम्मत के लिए कर्जे भी देती है। चालू वर्श के दौरान 1202 लाख रूपए की रा ि ा दी जा चुकी है और 1780 लाख रूपए की रा ि ा और दी जाएगी।

28. हरियाणा की अर्ध व्यवस्था मे प ाुपालना का एक वि ोश महत्व है। सरकार, राज्य मे गायो और भैसो की नस्लो को सुरक्षित रखने, उनमे सुधार लाने तथा उनका प्रसार करने की पुरजोर कोि ा ा कर रही है। आठवी पचवर्शीय योजना के अन्त तक प्रत्येंक पटवार परिमण्डल मे प ाु चिकित्सा डिस्पैसरी खोलने का प्रयास किया जाएगा। अत प्रती वर्श 100 नई डिस्पैसरियो खोलने का प्रस्ताव है। जबकि अब तक 40 डिस्पैसरियो प्रति वश्र खोले जा रही थी। प्रत्येक वर्श मे 40 डिस्पैसरियो का दर्जा बढा कर उन्हे हस्पताल बनाने का भी प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त जिला स्तर तक पालिक्लीनिक या रैफरल हस्पताल स्थापित किया जाएगे। चालू वर्श मे सोनीपत और अम्बाला मे ऐसे दो पालिक्लोनिको का काम भाुरू किया जायेगा। कृत्रिम गर्भाधान मे और अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए चिल्ड सीमन टैकनालोजी के स्थान पर फरोजन सीमन टैकनालोजी को तेजी से अपनाया जा रहा है तथा कुल 2011 प ाु चिकित्सालयो मे से 1087 पहले ही इस टैक्नालोजी को अपना चुके है।

सरकार, राज्य मे मछली पालन विकास पर पर्याप्त जोर द रही है। मछली बीज की मांग के सम्बन्ध मे आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए सरकार नई हैचरिया स्थापित कर रही है, पुरानी

हैचरियो की क्षमता बढा रही है और मछलीपालको को आव यक प्र ि ाक्षण दे रही है।

29. मेरी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रो मे गरीबी निवारण और रोजगार उत्पादन कार्यक्रम को उच्च प्राथमिकता दी हैं समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत जनवरी, 1992 तक 15520 परिवारो को सहायता दी गई जिसमे 7146 अनूसूचित जातियो के परिवारो और 5928 महिलओ भाामिल है। ग्रामीण युवा स्वत रोजगार प्र ि ाक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 2552 ग्रामीण युवाओ को, जिसमे 1090 अनुसूचित जातियो के और 1482 महिला लाभभोगी भाामिल है, जनवरी 1992 तक विभिन्न कार्यो मे प्र ि ाक्षण दिया गया, ताकि वे स्वत रोजगार के कार्या भाुरू कर सके।

राज्य के मरूस्थली जिलो की कठिनाईयों को कम करने के लिए 3413 हैक्टेयर भूमि पर विकास कार्य किया गया। इसी प्रकार महेन्द्रगढ तथा रिवाडी जिलो मे सूखाग्रस्त क्षेत्रो मे 3416 हैक्टेयार भूमि का विकास किया गया। ग्रामीण क्षेत्रो मे रोजगार जुटाने के लिए जनवरी, 1992 तक 1100.99 लाख रूपए के खर्च से 18.26 लाख श्रम दिवसो का कार्य किया गया। इन्दिरा आवास योजना के अन्तर्गत 394 मकान बनाए गए और जनवरी, 1992 तक 262 मकान निर्माणधीन थे ''मिलियन बेल स्कीम'' के अन्तर्गत 111 कुए पूर किए गए तथा 51 कुए जनवरी, 1992 तक निर्माणधीन थे।

30. मेरी सरकार, पर्यावरण के सुधार के लिए वृक्षारोपण और प्रदुशणरोधी उपायो को अत्यन्त महत्व देती है। चालू वर्श के लिए 32100 हैक्टेयार भूमि पर पौधे लगाने तथा 220 लाख पौधे वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए 30046 हैक्टेयर क्षेत्र पर वृक्षारोपण का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा 271 लाख पौधे किसानो को सप्लाई किए है। वर्श 1992–93 के दौरान इस कार्यक्रम को जारी रखने के लिए, राज्य की वार्शिक योजना के अन्तर्गत वन के लिए 2954 लाख रूपए तथा भू सरक्षण के लिए 95 लाख रूपए अनुमोदित किए गए है। इसी प्रकार विभिन्न परियोजनाओ पर भारत सरकार की और से 1698 लाख रूपये खर्च किए जाएगे।

वर्श 1991 मे पर्यावरण विभाग द्वारा औधोगिक यूनिटो मे 41 प्रदूशित जल उचार सयत्र तथा 38 वायू प्रदूशण रोकथाम यन्त्र लगवाए गए। इसके अतिरिक्त, विभिन्न इकाईयो मे 84 प्रदूशित जल उपचार सयत्र तथा 51 वायू प्रदूशण रोकथाम यन्त्र निर्माणधीन है। विधालयो, महाविधालयो तथा पचायतो मे पर्यावरण सम्बन्धी ि ाक्ष हूतू इस विशय पर सगोश्ठिया आयोजित करके तथा फिल्म भाो दिखाकर पर्यावरण से सम्बन्धित ि ाक्षा का जोरदार कार्यक्रम भाुरू किया जा रहा है।

31. सरकार ने राज्य के लोगो के जीवन स्तर को सुधारने के लिए, विभिन्न आर्थिक क्षेत्रो मे विज्ञान तथा प्रौधौगिकी के उपयोग को उचित प्राथमिकता दी है। वर्श 1992–93 के दौरान

इस कार्यक्रम के लिए 2.15 करोड रूपये की रा ि ा का प्रावधान किया गया है। दूर सबेदी तकनीक को कृशि, जल ससाधन, पर्यावरण इत्यादि क्षेत्रो मे इस्तेमाल हेतु हिसार मे दो करोड रूपये की लागत से राजकीय दूर सवेदी केन्द्र स्थापित किया गया है तथा वर्श 1992–93 मे, इसके विभिन्न कार्यो पर तीस लाख रूपये की रा ि ा खर्च की जाएगी। खगोल विज्ञान मे राज्य के लोगो को ि ाक्षित करने के लिए सरकार ने 2.50 करोड रूपए की लागत से कुरूक्षेत्र मे नक्षत्र भाला की स्थापना करने का निर्णय लिया है।

32. हरियाणा परिवहन, यात्रा करने वाले लोगो को उन्नत बस सेवाए और यात्राा सम्बन्धी अन्य सुविधाए उपलब्ध करवाने के लिए प्रयन्त ील है। चालू वर्श के दौरान 27.92 करोड रूपए की कुल लागत से 501 नई बसे भामिल की जाएगी तथा वश्र 1992–93 मे 33.75 करोड रूपए की लागत से 636 नई बसे प्राप्त करने का प्रस्ताव है। लम्बी दूरी वाले मार्गो पर कु ाल एवम तेज गति सेवा प्रदान करने के लिए 25 से अधिक मार्गो पर सीमित स्टाप वाली ''एक्सप्रैस सेवा'' भाुरू की जा रही है इस सेवा से सभी जिलो मुख्यलायो को दिल्ली तथा चण्डीगढ के साथ जोडने का प्रस्ताव है आकर्शक और अच्छे डिजाइन वाली बसो, जिनका अब तक केवल निर्यात किया जाता था, को इस प्रयोजनार्थ वि ोश रूप से हरियाणा राज्य परिवहन की बसो मे भामिल किया गया है। हरियाणा राज्य परिवहन इस प्रकार की बस सेवा भाुरू करने वाला दे ा का प्रथम राज्य हैं।

33. हरियणा के विभिन्न पर्यटन स्थल, पर्यटको के आकर्शण का केन्द्र बने रहे । वर्श 1990.91 के दौरान लगभग 42 लाख दे ाीय और 1.34 लाख विदे ाी, पर्यटक हरियाणा के पर्यटन स्थलो पर पधारे। इस वर्श एक से 15 फरवरी, 1992 तक सूरजकुण्ड के छठे ि ाल्प मेले मे 3 लाख पर्यटक आए जो कि एक रिकार्ड है। 23 राज्यो और संघ क्षेत्रो के 226 ि ाल्पकारो ने इसम भाग लिया। केटरिग को विभिन्न कालाओ मे प्रति ात देने के लिए फरीदाबार मे केन्द्रीय सहायता से एक नई फूड क्राफट इन्सीच्यूट की स्थापना की गई।

34. मेरी सरकार स्वतन्त्रता सेनानियो और भूतपूर्व सैनिको के कल्याण की और वि ोश ध्यान दे रही है। इस समय 3981 स्वतन्त्रता सेनानियो को 300 रूपये मासिक की दर पर वित्तीय सहायता दी जा रही है। सरकार ने हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानियो के बच्चो और पौत्रो के लिए विभिन्न व्यवसायिक पाठयक्रमो और सरकारी सेवाओ मे भी आरक्षण किया है। उन्हे समूच हरियाणा राज्य, दिल्ली और चण्डीगढ मे हरियाणा राज्य परिवहन की बसो मे मुक्त यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। 1 अप्रैल 1992 से स्वतन्त्रता सेनानियो की लडकियो और आश्रित बहनों की भाादी के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता की रा ि ा 2000 रूपए से बढाकर 5000 रूपए कर दी गई है।

हरियाणा, सेवारत तथा भूतपूर्व सैनिको, उनके परिवरो और आश्रितो के कल्याण एवम पुनर्वास के क्षेत्र मे सदा अग्रणी

रहा। राज्य मे समाज के इस वर्ग की जनसख्या लगभग 20 लाख है। चालू वित्त वर्श मे जनवरी, 1992 तक उनके कल्याण के लिए 4.46 करोड रूपए की रा ि ा खर्च की गई । वर्श 1992–93 के दौरान लगभग 6.86 करोड रूपए की रा ि ा का प्रवाधान प्रस्तावति है।

35. लोगो की आव यकताओ के अनुसार प्र ाासन को उत्तरदायी बनाने और भ्रश्टचार का उन्मूलन करने तथा प्र ाासन मे कार्यकु ालता लाने के लिए राज्य स्तर पर डिले चैकिग यूनिट का गठन किया गया है जो मुख्यालयो तथा क्षेत्रीय कार्यालयो की अचाकन जांच करता है। प्र ाासकीय सुधार विभाग ने कार्यप्रक्रिया और प्रणाली आदि का अध्ययन करने के लिए एक अनुसधांन यूनिट का गठन किया है ताकि प्र ाासनिक समस्यओ का पता लगाया जा सके और ठीक निर्णय लेने के लिए राज्य सरकार को ठोस सुझाव दिया जा सके।

राज्य के प्रथम और द्वितीय श्रेणी के अधिकारियो को हरियाणा लोक प्र ाासन सस्थान द्वारा प्र ि ाक्षण दिया जाता है। 31 जनवरी, 1992 तक संस्थान द्वारा 74 प्र ि ाक्षण कोर्स चलाए गए। इसी प्रकार सचिवालय प्रबन्ध स्कूल ने 681 कर्मचारियो की 25 पाठयक्रमो द्वारा प्र ि ाक्षित किया।

36. हरियाणा ने कानूनी सहायता कार्य मे महत्वपूर्ण कदम उठाए है। इस वित्त वर्श के दौरान 42 लोग अदालते लगाई

गई, जिनमे 15488 मामलो मे निर्णय दिए गए और 975 मोटर दुर्घटना दावा मामलो मे लगभग 4 करोड 46 लाख रूपए की रा ि ा दी गई। आगामी वित्त वर्श के दौरान हरियाणा कानूनी सहायात समिति 100 लोक अदालते लगाने की योजना बना रही है।

37. माननीय सदस्यगण, मैने अपनी सरकार के नीति सम्बन्धी दृश्टिकोण को सक्षिपत रूप से आपके सम्मुख प्रस्तुत किया है। मुझे आ ाा है कि इस अभिभाशण मे व्यक्त मुद्दे इस गरिमामय सदन मे परिचर्चा का उपायुक्त आधार बनेगे। मुझे पूरा वि वास है कि हमारा राज्य के समझ आने वाली समस्याओ को सुलझाने मे आप अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेगे और राज के सामाजिक एवम आर्थिक विकास मे सहयोग देगे।

मै आपको अपनी भाुभकामनाए देता हू।

जय हिन्द।''

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, a minister will make obituary references.

मुख्यमंत्री (श्री भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, और सम्मानित सदस्यगण, पिछले सत्र और इस सत्र के अर्से के बीच कुछ महानुभाव स्वर्ग सिधार गए है मै उनके लिए औबिचुआरी रैजोल्यू ान पे ा करता हू।

श्री सत पाल मितल, संसद सदस्य

यह सदन सदस्य श्री सतपाल मितल के 12 जनवरी, 1992 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री सतपाल मितल का जन्म पहली जनवरी, 1931 को हुआ। उन्होने 1945–46 मे स्कूल छात्रा होते हुए अपना राजनैतिक जीवन आरम्भ किया। वह 1964–70 मे पजाब विधान परिशद के सदस्य रहे। वह 1966–67 मे पजाब के उपमंत्री रहे। वह 1976, 1982 के राज्य सभा के लिए चुने गये तथा 1968 मे राज्य सभा के लिए मनोनीत हुए। उन्होने साम्प्रदायिक सदभावना, उच्चतर ि ाक्षा और महिलाओ, पिछडी श्रेणियों तथा अनूसूचित जातियो के उत्थान के लिए कार्य किया। वह सासदो की विभिन्न राश्ट्रीय तथा अन्तर्राश्ट्रीय सस्थाओ से सबद्ध रहे तथा उन्होने जनता मे जनसख्या नियन्त्रण की भावना जागृत करने मे मुख्य भूमिका निभाई । उन्होने विभिन्न दे ाो की यात्रा की।

उनके निधन से दे ा एक सामाजिक कार्यकर्ता तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक सतंप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री कृश्ण लाल, पजाब के भूतवूर्व मंत्री

यह सदन पजाब के भूतपूर्व मंत्री श्री कृशण लाल के 19 फरवरी, 1992 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री कृश्ण लाल का जन्म 10 मार्च 1925 को हुआ। वह वर्श 19941 मे राश्ट्रीय स्वय सेवक संघ मे भाामिल हुए। वर्श 1958 तथा 1964 मे वह पजाब विधान परिश्द के लिए चुने गए। वह पजाब के मंत्री भाी रहे।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक सतत्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री ओ0के0 अलगेसन, भूतवूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री

यह सदन पजाब के भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री ओ0के0 अलगेसन के 3 जनवरी, 1992 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री ओ0के0 अलगेसन का जन्म 6 सितम्बर, 1911 को हुआ। उन्होने स्वतन्त्रता सग्राम मे सक्रिय भाग लिया तथा जेल गए। वह 1946–50 के दौरान सविधान सभा के तथा 1950–52 मे अस्थाई संसद के सदस्य रहे। वह वश्य 1952–57 मे लोक सभा के सदस्य तथा केन्द्रीय मत्रिमण्डल मे उप मंत्री रहे। वह 1962–67 तथा 1971–79 मे पुन लोग सभा के सदस्य बने। वह 1962–66 मे

केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे तथा उन्होने तमिलनाडू मे हुए हिन्दी विरोधी आन्दोलन के विरोध मे अपना त्याग पत्र दे दिया। वह 1968–71 मे इथोपयिा मे राजदूत रहै।

उनके निधन से दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक सतत्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री ए0 सेनपति गाऊडर, संसद सदस्य

यह सदन ससंद सदस्य श्री ए0 सेनापति गाऊडर के 25 फरवरी, 1992 को हुए दुखद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री ए0 सेनापति गाऊडर का जन्म 9 नवम्बर, 1916 को तमिलनाडू के पेरियर जिला मे हुआ । वह 1938 से इडियन नै ानल काग्रेस से सम्बद्ध रहे। उन्होने वर्श 1952 से 1971 तक राज्य विधान सभा के सदस्य के रूप मे कार्य किया। वह वर्श 1980 मे पलानी निर्वाचन क्षेत्र से लोग सभा के लिए लगातार चार बार चुने गए। उन्होने पलानी के पिछडे क्षेत्र के विकास के लिए कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एकएक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक

सतात्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री कुन्दल लाल आहूजा, सयुक्त पजाब विधान परिशद के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सयुक्त पजाब विधान परिशद के भूतपूर्व सदस्य श्री कुन्दल लाल आहूजा के 8 फरवरी, 1992 को हुए दुखत निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री कुन्दल लाल आहूजा का जन्म 16 अक्तूबर 1908 को हुआ । वह वर्श 1958,1961,1962 तथा 1968 मे पजाब विधान परिशद के लिये चुने गए। वह विभिन्न बोर्डा, सामाजिक तथा धर्मार्थ सस्थाओ के सदस्य रहे।

उनके निधन से दे ा एकएक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक सतात्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री बसी लाल चौहान, दिल्ली महानगर परिशद के पूर्व कार्यकारी पार्शद

यह सदन दिल्ली महानगर परिशद के पूर्व कार्यकारी पार्शद श्री बंसी लाल चौहान के 17 जनवरी, 1992 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री बसी लाल चौहान का जन्म अप्रैल, 1916 मे हुआ। उन्होने 1936 मे सामाजिक कार्यकर्ता के रूप से सार्वजनिक जीवन आरम्भ किया। उन्होने स्वतन्त्रता सग्राम से सक्रिय भाग लिया। वह 1951–56 मे दिल्ली नगरपालिका तथा वर्श 1962 मे नगर निगम के सदस्य रहे। वह 1967,1972, व 1983 मे दिल्ली महानगर परिशद के सदस्य चुने गए । वह दिल्ली महानगर परिशद के कार्यकारी पार्शद भी रहे। उन्होने साम्प्रदायिकता का विरोध किया तथा श्रमिको और कमजोर वर्गो के अधिकारो के लिए सघर्श किया।

उनके निधन से दे ा एकएक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री एम0एल0 वर्मा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव

यह सदन मुख्य मंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव, श्री एम0एल0 वर्मा की पहली फरवरी, 1992 को हुई निर्मम हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री एम0एल0 वर्मा का जन्म 4 जुलाई, 1951 को हुआ। वह जनवरी, 1976 मे हरियाणा सिविल सेवा मे भाामिल हुए। उन्होने कई महत्वपूर्ण पदो पर कार्य किया तथा वर्श 1986 मे वह मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव भी रहे। वह 1987–88 के केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री के तथा 1988–90 मे केन्द्रीय कृशि मंत्री के निजी

सचिव रहे। वह 1991 मे आई0ए0ए0 के लिए पदोन्नत हुंए तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव के पद को सु ाोभित किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

अन्य

वह सदन हाल ही मे नरवाना के समीप रेल बम विस्फोट मे मारे गए निर्दोश लोगो तथा बराडा के समीप आतकवादीयों का बहादुरी से पीछा कर रहे पुलिस कर्मियो की हत्या पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवगतो के परिवरो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

श्री कदीदल मंजप्पा, भूतपूर्व मुख्यमंत्री पहले मैसूर (कर्नाटक)

यह सदन तत्तकाल मैसूर यानी कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री कदीदल मजप्पा के 8 मार्च, 1992 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। श्री मजप्पा का जन्म 1910 मे हुआ। उन्होने स्वतत्रता सग्राम मे भाग लिया। वे 1940 मे 1944 तक तत्कालीन मैसूर प्रतिनिधि सभा के सदस्य रहे। 1945 से 1949

तक मैसूर विधान परिशद के सदस्य रहे तथा 1950 से 1966 तक मैसूर विधान सभा के सदस्य भी रहे। वे 1956 मे तत्कालीन मैसूर के मुख्यमंत्री थे। तत्प चात वे राजस्व मंत्री भी रहे। उनके निधन से यह दे ा एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया हैं। यह सदन दिवगत नेता के भाोक सतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता है।

प्रो0 सम्पत सिंह (भट्टू कला): स्पीकर सर, सदन के नेता ने जो भाोंक प्रस्ताव इस सदन मे रखा है, उसका मै अपनी व अपनी पार्टी की और से असर्थन करता हूॅ। स्पीकर सर, पिछली बार जब विधानसभा का सै ान बैठा था, उस समय से लेकन आज तक बहुत से महानुभाव हमारे बीच मे से चले गये है। ऐसे लोग जिनका बहुत बडा अनुभव रहा है, चाहे वे स्वातन्त्रता सग्राम मे सक्रिय रहे हो, चाहे वे विधान सभा व विधान परिशद के सदस्य रहे हो, आज हमारे बीच मे नही रहें। कई मुख्यमंत्री भी रहे हैं। राज्यसभा व लोक सभा के सदस्य भी रहे है। उनका इस समय मे हमारे बीच मे से उठ जाना हमारे लिये बडा दुखदायी है। उनके चले जाने से हमे बडा ही नुकसान हुआ है।

स्पीकर सर, श्री सतपाल मितल, पहले पजाब विधान परिशद के सदस्य रहे, बाद मे पजाब मे उपमंत्री भी रहे और दो तीन बार राज्यसभा के मैम्बर भी चुने गये। वे ऐसे वक्त मे हमारे बीच मे से उठ गये जिस वक्त पजाब के अन्दर उन जैसे अनुभवी नेता की जरूरत थी ताकि वे लोगो की सद्बद्धि प्रदान करते और

साम्प्रदायिकता के माहौल को ठीक करते। उनके आज इस दुनिया से चले जाने से हमे बहुत ही क्षति हुई है। मै परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि भगवान उनकी आत्मा को भाान्ति दे।

इसी तरह से श्री कृश्ण लाल, जो कि पजाब के अन्दर मंत्री थे, दो बार पजाब विधान परिशद के लिये चुने गये। वे पजाब की राजनीति मे काफी सक्रिय रहे है। वे एक योग्य प्र ाासक भी थे उनके निधन से आज हम एक योग्य प्र ाासक तथा एक अनुभव विधायक की सेवाओ से पूरी तरह से वचित रह गये है।

श्री ओ0वी0 अलगेसन, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री थे। उन्होने स्वान्त्रता सग्राम मे बढ चढ कर भाग लिया इन्ही लोगो की कुर्बानियो की वजह से, इन्ही लोगो की दे ा भक्ति से ही आज हमारा दे ा स्वतन्त्र हुआ है। वे 1946–50 के दौरान सविधान सभा के सदस्य रहे। दो वर्श तक अस्थाई संसद के सदस्य भी रहे। कई वर्शा तक लोकसभा के भी सदस्य रहे। ये बही महान पुरूश थे जिन्होने तामिलनाडू मे हुए हिन्दी विरोधी आदोलन के विरोधी मे मत्री मण्डल से आना त्यागपत्र दे दिया था। वे इथोपिया से राजदूत भी रहे। उनके निधन से हमे बडा दुख है। इसी तरह से ए0 सेनापति गाऊडर, संसद सदस्य 1936 से इडियन ने ानल काग्रेस से सम्बद्ध रहे और बाद मे कई वर्शा तक राज्य विधानसभा के सदस्य के रूप के कार्य करतें रहे। वे लोक सभा के एक बार नही, पलानी क्षेत्र से चार बार सदस्य चुने गये। वे पिछडे क्षेत्रो के

विकास के लिए कार्य करते रहे। ऐसे अनुभवी महानुभाव के चले जाने से हम बडी क्षति हुई ।

स्पीकर सर, श्री कुन्दन लाल आहूजा ज्वायट पजाब मे विधान सभा परिशद के सदस्य थे। वे चार बार पजाब विधान सभा के लिये चुने गये। इस तरह के अनुभव आदमी के चले जाने का हमे बहुत दुख है।

श्री बंसी लाल चौहान दिल्ली की राजनीति से बडे सक्रिया रहे। उन्होने स्वतन्त्रता सग्राम मे अपना सक्रिय योगदान दिया। वे 1951–56 मे दिल्ली नगरपालिका व 1962 मे नगरनिगम के सदस्य रहे। 1967,1972 व 1983 मे वे दिल्ली महानगर परिशद के सदस्य चुने गये। उनके कार्यो की जितनी सराहना की जाए, थोडी है। अब वे हमारे बीच मे नही रहे।

स्पीकर साहब श्री एम0एल0 वर्मा, जो हमारे चीफ मिनिस्टर साहब के अतिरिकत प्रधान सचिव थे, इनसे मेरा निजी वास्ता रहा है। उनकी भाुरू की सर्विस हिसार की रही है। वे हिसार मे म्यूनिसिपल कमेटी के ऐडमिनिस्ट्रेटर थे। स्पीकर साहब, इतना बढिया आदमी बाई चांस ही मिलता है। पद और ओहदा तो कई बार आदमी को मिल जाता है लेकिन उन जैस मिलनसार आदमी बहुत कम मिलेगा। हिसार के अन्दर कमेटी मे उनकों मिलने वालो की लाईन लगी रहती थी। यह भ नही कि वे राजकीय लोगो से ही सिलते थे। वे अपोजी ान के लोगो की बात

भी बाकायदा दफतर मे बैठ कर सुना करते थे। हम गरीब आदमी उनके सामने अपनी बात कर सकता था मेरे घर मे भी उनका कई बार आना जाना रहा है। उनके साथ साथ उनकी पत्नी तथा बच्चे जी भगवान को प्यारे हो गए। मेरे ख्याल से इतना बडा जधन्य कांड किसी परिवार के साथ नही हुआ होगा। हर आदमी को इस कांड से बडा दुख हुआ है क्योकि वे एक दम हमारे बीच मे से चले गए। हमने सुना है कि उनको कहा गया था कि आप इस समय मत जाओ कल सुबह चले जाना लेकिन विधाता ने जो भी लिखा है उसको कोई टाल नही सकता। हमने यह भी सुना था कि उन्होने दोपहर 12 बजे के करीब जाना था लेकिन मुख्यमंत्री के साथ डियूटी होने की वजह से उनको काम मे 4–5 घटे फालतू लग गए। वे लेट इसलिए हुए क्योकि उनकी मौत उनको खींच रही थी। स्पीकर साहब, उनके दोनो बच्चे मेरे दोनो बच्चो के हम ऊमर थे और मेरे दोनो बच्चो का नाम गौरव और सौरभ है। मुझे इस हादसे से बहुत आघात पहुचा है।

इसके अलावा स्पीकर साहब, प्रदे ा मे और भी टैरोरिस्टम एक्टीविटीज हुई है जैसे बरडा और नरवाणा वगैरा की है। कुछ सिरसा मे भी हुई तथा और जगहो पर भी हुई। पिजौर मे भी एक सिपाही मारा गया था। इनकी हमे पुरजोर निन्दा करनी चाहिए। इसकी रोकथाम के लिए हमे पूरा इन्तजात करना चाहिए। इसी तरह से श्री कदिलमजप्पा जी के बारे मे जो भाोकप्रस्ताव रखा गया है, मै इसका भी समर्थन करता हू। मै आखिर मे परमपिता

परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि वे भाोक सतप्त परिवारो को यह दुख सहन करने की भाक्ति दे।

श्री बसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखे है, मै इनका अनुमोदन करता हू। पिछले सै ान से लेकर इस सै ान के बीच की अवधि मे जो जो महानुभाव हमारे बीच मे से चले गए है मै उन सभी के परिवारो के साथ अपनी सदभावना व्यक्त करता हू लेकिन एक बात मै कहना चाहता हू जब हम यह कहते है कि मिलिटैटस द्वारा मारे गए व्यक्ति के लिए हमे कडोलैंस रेजो यूल ान पास करना चाहिए तो इसमे कोई दो राय नही है कि श्री एम0एल0 वर्मा के साथ साथ कई सरकारी मुलाजिम और भी मारे गए। हमे छोटे बडे मे डिस्क्रिमिने ान नही करना चाहिए, सभी के बारे मे कडोलैंस रेजोल्यू ान पास करना चाहिए। कालका मे एक कास्टेबल मारा गया था, श्री वर्मा के साथ उसका ड्राइवर और गनमैन मारा गया था। इसी तरह से सिरसा और फग्गू मे तीन कास्टेबल और एक डी0एस0पी0 मारे गए थे। इसलिए मै चाहता हू जो सरकारी कर्मचारी मारे गए है उन सब के नाम इसके अन्दर ऐड कर दे। इन भाब्दो के साथ मै इस भाोक प्रस्ताव का अनुमोदन करता हू।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): आदरणीय स्पीकर साहब, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सदन के सामने रखा है मै उकसा समर्थन करने के लिए खडी हुई हू। श्री सतपाल मितल सयुक्त पजाब मे हमारे साथ काग्रेस पार्टी मे होते थे। वे बहुत ही

ईमानदार और नेक इन्सान थे। पजाब प्रदे ा के राजनैतिक जीवन मे उनका बडा भारी योगदान रहा है। मै उनको निकट से जानती थी। अब जब कि पजाब को उनकी बडी जरूरत थी, ऐसे वक्त मे उनके निधन से सारे दे ा को और खास करके पजाब को बडा भारी धक्का लगा है। ऐसे समय मे उनके निधन से हमे बडा अफसोस है। इसके अलावा श्री कृश्ण लाल, पजाब के भूतपूर्व मंत्री रहे। दक्षिण भारत मे हिन्दी भाशा के खिलाफ जो आन्दोलन चला उस आन्दोलन के विरोध मे उन्होने अपना इस्तीफा दे दिया था इस तरह से इस्तीफा देना कोई मामूली बात नही है। उनके निधन से हमे बडा अफसोस हुआ है। श्री ए0 सेनातपी गाऊडर, संसद सदस्य उनके निधन से हमे बडा अफसोस हुआ है। इसी तरह से श्री कुन्दल लाल आहूजा, सयुक्त पजाब विधान सभा परिशद के भूतपूर्व सदस्य रहै उनके निधन से हमे बडा अफसोस हुआ है। इस तरह से श्री बंसी लाल चौहान, दिल्ली महानगर परिशद के पूर्व कार्यकारी पार्शद रहे उनके निधन से हमे बडा अफसोस हुआ है। इसी तरह से नरवाना के समीप रेल बम विस्फोट मे जो निर्दोश लोग मारे गए और बागडा के समीप आतकवादियो का बहादुरी से पीछा कर रहे पुलिस कर्मियों की हत्या पर हमे बडा भारी अफसोस थे उनका और उनके सारे परिवार का आतकवादियों द्वारा कत्लेआम कर देना एक बहुत ही अफसोसजनक हमे बडा अफसोस है। स्पीकर साहब, मै सदन के नेता से प्रार्थना करना चाहूगी कि जो लोग आतकवादियो के हाथो मारे गए है उसका अफसोस पत्र तो उनके परिवारो को भेजा जाएगा लेकिन उसके साथ ही सरकार

की तरफ से उनके परिवारो को कुछ न कुछ माली मदद अव य भेजी जानी चाहिए। इन भाब्दो के साथ मे इस भाोक प्रस्ताव का एक बार फिर समर्थन करते हुए अपना स्थान लेती हू। धन्यवाद।

प्रो0 राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है मै उसका समर्थना करने के लिए खडा हुआ हू। पिछले सै ान मे हमने हरियाणा के अन्दर आतकावादियो के हाथो मारे गए कुछ लोगो ने कत्लेआम की निन्दा की थी। लेकिन इस बार तो मुख्यमंत्री जी एक बडे वि वा ापात्र और बडे योग्य अधिकारी और उसके सारे परिवार को कत्ल कर दिया गया। आतकवादियो द्वारा श्री वर्मा और उनके सारे परिवार की निर्मम हत्या से तो पूरे हरियाणा प्रदे ा के लोगो के दिलो पर बहुत गहरी चोट लगी है। अध्यक्ष महोदय, आदमी ने इस संसार मे आना हैं और चले जाना है क्योकि ससार मे इन्सान की मौत होना नि चत है लेकिन कुछ फूल खिल कर मुरझाते है, हसरत तो उन गुचो पर है जो बिना खिले मुरझा जाते है। छोटी सी 40 साल की उम्र मे ही श्री एम0एम0 वर्मा की पूरी व ाावली को समाप्त कर देने पर पूरे हरियाणा प्रदे ा के लोगो ने ऐसा महसूस किया जैसे एक ग्रेस ही खत्म हो गई हो। हरियाणा सरकार इसके लिए बहुत चिन्तिन है इसको स्वीकार किया जाना चाहिए। मै श्री एम0एल0 वर्मा के भाोक सतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना करता हू।

श्री सतपाल मित्तल, ससंद के निधन पर मुझे बडा अफसोस हुआ है वे सयुक्त पजाब मे पजाब विधान परिशद के सदस्य रहे और 1966–67 मे पजाब के उप मंत्री रहे। मै उनके भाोक सतंप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक सवेदना प्रकट करता हू।

श्री कृश्ण लाल, राश्ट्रीय स्वय सेवक सघ के उतरी भारत के बहुत बडे राज नेता थे। उन्होने हिमालय की पहाडियो से लेकर उत्तरी भारत मे जनसघ और राश्ट्रीय स्वय सेवक सघ की बडी निश्ठा के साथ प्रचार और प्रसार किया। मै अपनी तरफ से उनको श्रद्धाजलि अर्पित करता हू। श्री एम0एल0 वर्मा के ड्राईवर का नाम भाायद राजेन्द्र सिंह सैनी था और वे रोहतक के रहने वाले थे। उनका भी श्री वर्मा के साथ आतकवादियो ने कत्ल कर दिया था मै उनके दाह सस्कार मे भाामिल हुआ था। श्री वर्मा के साथ जो गनमैन था उसका नाम श्री रघुबीर था और वे नारायनगढ के पास एक गांव के रहने वाले थे। उनका भी श्री वर्मा के साथ ही आतकवादियो ने कत्ल कर दिया था इसी तरह से पिजौर मे भी आतकावदियों ने एक पुलिस कास्टेबल का कत्ल कर दिया। नरवाना के पास जो यात्री रेल के अन्दर उग्रवादियो द्वारा मारे गए यानी जिनको भाहीद होना पडा उनके नाम भी इस भाोक प्रस्तावो मे भाामिल किए जाने चाहिए। इन भाब्दो के साथ मै इन भाोक प्रस्तावो का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री सुरजीत कुमार धीमान (नारायणगढ): स्पीकर साहब, मै अपनी और से और अपनी पार्टी की तरफ से इन भाोक प्रस्तावो का समर्थन करता हू। श्री सतपाल मित्तल, ससंद सदस्य, श्री कृश्ण लाल पजाब के भूतपूर्व मंत्री, श्री ओ0वी0 अलगेसन, भूतपूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री ए0 सेनापति गाऊडर, संसद सदस्य, श्री कुन्दल लाल आहूजा, सयुक्त पजाब विधान परिशछ के भूतपूर्व सदस्य, श्री एम0एल0 वर्मा मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव के निधन पर है मै अपी सवेदना प्रकट करता हू। श्री एम0एल0 वर्मा के निधन से मुझे बहुत गहरा धक्का लगा है। क्योकि वे हमारे अम्बाला जिले के थे। मुझे सबसे बडा दुख तो इस बात का है कि उनकी और उनके समस्त परिवार की हत्या मेरी अपनी कास्टिचुएंसी मे हुई । जिस समय उनकी हत्या हुई उस समय मै घर पर मौजूद नही था बल्कि बाहर टूर पर गया हुआ थां। जब हमे वहा पर इस बात की जानकारी मिली तो मुझे बहुत दुख पहुचा। मै तो परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि वे उनकी आत्मा को भाान्ति दे। अध्यक्ष महोदय, अन्त मे मै एक बात कहते हुए अपना स्थान लेता हूं कि जिन लोगो के नाम इस सूची मे भाामिल है उनके प्रति मै अपनी सवेंदना प्रकट करता हू।

साथी लहरी सिंह (रादौर, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, वास्तव मै पिछले सै ान से लेकर इस सै ान के बीच मे अर्से दौरान कुछ ऐसी विभूतियां इस ससांर से चली गई है जिनका मुझे बहुत दुख है। श्री सतपाल मित्तल जो संसद सदस्य भी रहे

है। उनका इस संसार से चले जाने का मुझे काफी अफसोस है। क्योकि उन्होने हिन्दुस्तान मे अपनी एक छाप जमाई हुई थी। इस प्रकार से श्री कृश्ण लाल जी के निधन का भी मुझे काफी दुख है। श्री ंबंसी लाल चौहान भी दिल्ली महानगर परिशद के पूर्व कार्यकारी पार्शद रहे है। उनके चले जाने का मुझे दुख है। श्री बंसी लाल जी ने अपने जीवन मे काफी जन सेवा की थीं। स्पीकर साहब, श्री एम0एल0 वर्मा का भी नाम इन भाोंक प्रस्तावो मे भाामिल किया गया है। मुझ से यह कहे बगैर नही रहा जा सकता कि जिस तरह उनकी हत्या हुई है और जिस प्रकार से उनका सारा परिवार खत्म कर दिया गया है। उस बारे मे मै लीडर आफ दी हाउस मे निवेदन करूगा कि उस कांड मे जो वर्मा जी के ड्राईवर और गनमैन मारे गए है उनके परिवार की तरफ भी सरकार वि ोश ध्यान दे। श्री वर्मा जी के जो गनमैन थे उसका नाम रघुबीर था। वह मेरे हल्के गोदान गावं का था। मै आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि जिस समय मै गनमैंन श्री रघुबीर का भारीद दाह संस्कार के लिए नाराणगढ से लेकर आया तो उनके पिता जी अपने बेटे के भारीद को देखकर बिल्कुल नही रोये बल्कि दांह सस्कार के बार रोये। वहा पर श्री ए0सी0 चौधरी मंत्री जी भी बाद मे पहुच गए थे। दाह सस्कार के बाद उनके पिता जी ने केवल एक बात यह कही कि मुझे अपने लडके के मारे जाने का दुख नही है बल्कि मुझे इस बाद का दुख है कि मेरा लडका श्री वर्मा को बचा नही पाया। उनका कहना यह था कि मेराा लडका अगर मरते मरते श्री वर्मा जी की जान बचा गया होता

तो मुझे ज्यादा खु ाी होती लेकिन दुख इस बात का है कि न तो वह खुद बच पाया और न ही श्री वर्मा जी को बचा पाया। मै मुख्यमंत्री जी का जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि आज भी ऐसे दे ा भगत पिता मौजूद है। बराडा कांड मे कुछ लोग तो मारे गए लेकिन एक किसान किसी तरह से भाग्यव ा बच गया था। मेरी लीडर आफ दी हाउस से प्रार्थना है कि बम्ब काण्ड मे वहा पर जो लोग मारे गए उनके नाम भी भाोक प्रस्तावो की सूची मे भाामिल किए जाने चाहिए। इसके साथ साथ मेरी सरकार से यह प्रार्थना है कि इन घटनाओ पर काबू पाने के लिए सरकार कडे पग उठाये ताकि इन सारी घटनाओ से बचा जा सके।

16.00 बजे।

स्पीकर साहब, इन भाब्दो के साथ यहां पर जितने भी भाोक प्रस्ताव रखे गए है मै अपनी तरफ से उन सभी का समर्थन करता हू और परमात्मा से प्रार्थना करता हू कि इन सभी के भाोक सतप्त परिवारो को सहारा दे। अन्त मे मै अपने आप को इन सभी के दुख मे भाामिल करता हू तथ परमात्मा से निवेदन करता हू कि वे उन्हे यह उसहनीय दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करे। धन्यवाद।

Mr. Speaker: Hon'ble members, after teh adjournment of this House in the month of December 1991 various important personalities have left us.

Shri Sat Paul Mittal was the Senior Vice Presiedent of the Punjab Pradesh Congress (1) Committee and was nominated as a member of the P.P.C.C Poll Compaing Committee set up for the Assembly and Lok Sabha elections in the Punjab State. He was also nominated as a member of teh Rajya Sabha twice. He had been Deputy Minister in Punjab. He had a progressive mind and a spirit of patriostism. He was associated with several national and international organisations of parliamentarins adn did pioneering work to create awareness about population control, He was a widely travelled man. In his deateh teh country has lost an eminent Soclal Worker, an able admiistration and seasoned legislator.

Shri Krishan Lal was a former Minister of our sister State Punjab. He was a great patriot and devout nationalist. He remained a propagator of R.S.S and later Bhartiya, Jan Sangh. In his death, we have lost an able administratrator.

Shri O.V Alagesan was a freedom figrhter and remained member of Constituent Assembly and the Provisional Parliament; He was elected to the Lok Sabha and remained Union Deputy Minister and also Minister of State. He was Ambassador to Ethiopia during 1968-71.

Shri. A. Senapathi Gounder remained associated with the Indian National Congress, since 1938. He remained Members of the State Legislative Assembly for about two decades and Member of Lod Sabha for times since 1980. He worked hard for the devlopment of backward areas of his constituency. In his death, the country has lost a seasoned parliamentarian and able adminsitrator.

Shri Kundan Lal Ahuja was former Members of Joint Punjab Legislative Council. He was elected to the Council four times. He was a seasoned Legislator.

Shri Bansi Lal Chauhan was the former Exective Councillor of Metropolitan Council of Delhi and was alos a freedom fighter. He remained a Member of Municiapal Committee Delhi, Municiapal Corporation, Delhi and Metropolitan Council of Delhi. He was oposed to communlism and struggled for the rights of labourers and weakersections.

Shri. M.L Verma was the Additional Principal Secretary to Chif Minister Haryana. Mr. Verma was assassinated along with his entire family on 1st February 1992. During this short period he had endeared himself to one and all and became an indispensalbe officer. In his death the State has lost and efficient honest and popular officer.

Shri kadidal manjappa former Chief Minister of Erstwhile Mysore Karnataka was a freedam fighter and remained a Member of the Constitunent assembly and recent Killings of innocent persons in a train blast near Narwan and police Killings near Barara.

Hon'ble Member, I pay homage to these departed personlities and will convey the sympathies of this house to the bereaved families. Now I will request the Hon'ble Members to stand and observe silence for two minutes.

(At this stage, the House stood in silence for 2 minutes as a mark of respect to the memory of deceased)

घोशणाएं

(क.) अध्यक्ष द्वारा

(i) सभापतियो के नामो की सूची

Mr. Speaker: Hon'ble Members under Rule 13(1) of the Rules of procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Panel of Charimen.

(1) Shri Phool Chand Mullana

(2) Kanwar Ram Pal Singh

(3) Shri Dhir Pal Singh

(4) Shri Amar Singh Dhanak

(ii) याचिका समिति

Mr. Speaker: Hon'ble Members I nominate the following Members to serve on the Committee on Petitions under Rule 286(1) of the Rules of Procdure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly:-

(1) Shri Sumer Chand Bhatt, Deputy Speaker, Ex Officio Chairman.

(2) Shri Phool Chand Mullana

(3) Shri Rajinder Singh Bisla

(4) Shr Amar Singh Dhanak

(5) Shri Jai Pal Singh

बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे ा करना

(ख) सचिव द्वारा

राश्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए जिलो सम्बन्धी

Mr. Speaker: Now the Secretary will make an announcement.

सचिव सर, मै उन विधेयको को द र्ाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च 1991 तथा दिसम्बर, 1991 मे हुए सत्र मे पारित किये थे तथा जिन पर राश्ट्रपति/राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है। सादर सदर के पटल पर रखता हू।

Statement

MARCH SESSION, 1991

1.The Haryana and Punjab Agricultrual Universities Haryana Amendment Bill, 1991.

2. The Haryna Shri Mata Mansa Devi Shrian Bill, 1991.

3. The Punjab Village Common Lands (Regulation) Haryana Amendment Bill, 1991.

December SESSION, 1991

1. The Haryna Shri Mata Mansa Devi Shrian Bill, 1991.

2. The Punjab Ayurvedic and Unani Parcititioners (Haryan Amendment and Validation) Bill 1991.

3. The Haryan Relief of Agricultural Indebtedness (Second Amendment Bill, 1991)

4. The Maharshi Dayanand University Amendment Bill, 1991.

5. The Kurukshetra University Amendment Bill, 1991.

6. The Punjab Gram Panchayat Haryana Amendment Bill, 1991.

7. The Haryana Gereral Sales Tax Second Amendment Bill, 1991.

8. The Haryana Appropriation (No. 4) Bill, 1991.

9. The Faridabad Complex (Regulation and Development) Second Amendment Bill, 1991.

10. The Haryana Legislative Assembly Facilities to Members Amendment Bill, 1991.

बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पर मतदान

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of various business fixed by the Business Adviosry Committee.

"The Committee met at 11 a.m on Monday, the 9th March, 1992, in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs the Assembly whilst in Session shall meet on Monday, Tuesday, Wednesday, Thursday and Friday at 9.00 A.M. and adjourn at 1.00 P.M without question being put.

The Committee also recommends that the House shall adjourn on 17th March, 1992 to meet again on Monday, the 23rd March, 1992 at 9.00 A.M and adourn at 1.00 P.M. It Shall meet on Tuesday, tha Wednesday, the 25th March, 1992 it shall meet at 9.00 A.M adn adjourn after the conlusion of the business entered on the List of Business for the day.

However, on Monday, the 9th March, 1992 the Assembly shall meet immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address.

The Committee, after some discussion, also recommeds that the Business from 9th March to 17th March, 1992 and from 23rd March 1992 to 25th March 1992 be transacted by the Sabha as follows:-

The House will meet immediately half an hour after teh conclusion of the Governor's Address on the 9th March 1992	1. Laying a copy of the Governer's Address on the Table of the House
	2. Obituary References.
	3. Presentation & adoption of the first Report of the Business

	4. Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	5. Presentation of Supplementary Estimates (2nd Instalment) 1991-92 & Reprot of Estimates Committee thereon.
Tuesday the 10th March, 1992 (9.00 A.M)	1. Quesiton Hour
	2. Discussion on the Governor's Address
Wednesday the 11th March, 1992 (9.00 A.M)	1. Quesiton Hour
	2. Motion under Rule 121.
	3. Resumption of Discussion on the Governor's Address
Thursday the 12th March, 1992 (9.00 A.M)	1. Quesiton Hour
	2. Non Official Business
Friday the 13th March, 1992 (9.00 A.M)	1. Quesiton Hour.
	2. Papers to be laid/re-laid on the Table of the House, if any

	3. Resumption of discussion of Governor's Address and Voting on Motion of Thanks.
	4. Discussion and voting on supplementary Estimates 2nd Instalment 1991-92.
Saturday, the 14th March 1992	off day
Sunday the 15th March, 1992	Holiday.
Monday the 16th March 1992 (9.00 A.M)	1. Questions Hour
	2. Presentation of Budget Estimates for the Year 1992-93.
Tuesday the 17th March 1992 (9.00 A.M)	1. Questions Hour.
	2. The Haryna Appropriation Bill in respect of the Supplementary Estimates 2nd Instalment 1991-92
	3. General Discussion on Budget Estimates for the Year 1992-93
Wednesday the 18th March,	Off day.

1992	
Thursday the 19th March, 1992	Holiday
Friday the 20th March, 1992	Off day
Saturday the 21st March, 1992	Off day
Sunday the 22th March, 1992	Holiday.
Monday the 23rd March, 1992 (9.00)	1. Questions Hour
	2. Resumption of general discusstion on Budget Estimates for the year 1992-93 and reply by the finance Minister.
Tuesday the 24th March 1992 (9.00 A.M)	1. Questions Hour
	2. Presentation of the Assemibly Committees Reports
	3. Discussion and Voting on Demands for Grants on the Budgets Estimates for the year 1992-93.
Wednesday the 25th March 1992 (9.00 A.M)	1. Questions Hour

	2. Motion under Rule 15 regarding non stop sitting
	3. Motion under Rule 16 regarding adjournment of the Sabha Sine die.
	4. Presentation of Assembly Committees Reports
	5. The Haryana Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 1992-93
	6. Legislatve Business
	7. Any other Business.

Mr. Speaker: Now teh parliamentry Minister Will move the motion that this House agress with the recommendations contained in the First Reports of the Business Advisory Committee.

Irrigation & Power Minister (Shri Shamsher Singh Surjewala) : Sir. I beg to move

That this House agress with the recommendations contained in the First reort of the Business Advisory Committee With the modification that the Assembly shall meet on Monday the 16th and 23rd March 1992 at 2.00 P.M and adjourn at 6.30 p.m without question being put.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House agress with the recommendations contained in the First reort of the Business Advisory Committee With the modification that the Assembly shall meet on Monday the 16th and 23rd March 1992 at 2.00 P.M and adjourn at 6.30 p.m without question being put.

चौधरी वीरेन्द्र सिंह (नारनौद): स्पीकर साहब, आज जो सै ान भुरू हुआ है यह बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार 25 मार्च तक चलेगा। तो इस रिपोर्ट के अनुसार इस सै ान मे दस सीटिगज बनती है क्योकि इस अर्से मे 5–6 छुटिटयां भी है। पिछले सै ान मे जब हमने बिजनै ा ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट पर कुछ आपति की थी जो मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि बजट सै ान महीने तक चलाना हमे कोई आपति नही होगी। स्पीकर साहब, यह बजट सै ान है और आपोजी ान के मैम्बरो की तादाद भी बहुत ज्यादा हो गई है। इसके इलावा चूकि पूरे साल के लिए पैसा मजूर हो रहा है। इसलिए हर मैम्बर अपने हल्के के बारे मे सरकार का ध्यान अव य दिलाना चाहता है। सरकार कुछ करे या न करे, यह उसकी मर्जी है। लेकिन हर मैम्बर बताना चाहता है कि इस प्रकार का विकास होना चाहिए। सडको की मुरम्मत होनी चाहिये या नई सडके बनी चाहिये। विधान सभा के हरेक सदस्य की यह इच्छा होती है। कि वह अपनी बातो की और सरकार का ध्यान दिलाये कि मेरी कास्टिचुऐंसी मे ये ये समस्याए है। पिछले सरकार भी बजट सै ान की 13–14 सिटिग्ज किया करती थी जबकि उस समय विपक्ष के मैम्बरो की तादाद केवल 5 थी। उस बात का भी ध्यान रखना चाहिये। आज विपक्ष

तकरीबन तकरीबन रूलिग पार्टी के करीब करीब जा पहुचा है और आगे और पहुच जाएगा। मेरी गुजारि ा यह है कि इस सै ान मे बहुत से मुददे उठने है । चण्डीगढ का मुददा, अबौहर फाजिल्का का सुददा नहर का मुददा और इसके इलावा मिलीटैसी का मुददा है। आज हरियाणा मे एक अजीब सी परिस्थिति हो गई है। जबकि इनको एक मत से स्टैड लेना चाहिये। आज कई मत पाए जा रहे है।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः आपको पूरा मौका मिलेगा। इनते उतावले क्यो हो रहे हो? यह तो कमेटी की रिपोर्ट आयी है इस पर डिस्क ान करने की कया जरूरत है।

चौधरी वीरेन्द्र सिहः यह तो आपने बात ठीक कही है लेकिन ऐसी बाते तो आप उठाते हो। जब आप कोई इ ू उठा देते हो तो लडना हमे पडता है। यदि किसी बात पर चर्चा न भी हो तो भी आप उसको उछाल देते हो। फिर आप कहेगे कि यह अन्दरूनी मामला है। स्पीकर साहब, बडे मसले है। मिलिटैटस ने पिछले दिसम्बर के सै ान के बाद दिल को दहला देने वाली घटनाए की है। 20 दिसम्बर को हुए सै ान के बाद हम आज बैठक कर रहे है। इस दौरान इस बारे मे बहुत सी घटनाए घट चुकी है और वे भी दिल को दहला देने वाली घटनाए घट चुकी है हम समझते थे कि 20 दिसम्बर के बाद सरकार ऐसे कदम उठाएगी जिससे इस तरह की घटना का रैपीटी ान हरियाणा प्रान्त मे न हो सके। इसलिये मेरा इस बारे मे कहना यह है कि बहुत ही

वर्निन्ग टौपिक्स है जिनसे हरियाणा प्रान्त को दो चार होना पड रहा है। उन वर्निन्ग टौपिक्स के ऊपर खुले मन से बोलने की इजाजत मैम्बर्ज को दी जानी चाहिये। इसके लिए टाइम बढाया जाये। मेरा सुझाव तो यह है कि कम से कम दोगुना टाईम तो होना चाहिये। 10 सिटिग्ज की बजाये 20 सिटिग्ज होनी चाहिये ताकि पूरे विस्तार के साथ इस अपने प्रान्त की समस्यओ और अपने हल्के की समस्याओ की तरफ सरकार का ध्यान खीच सके।

प्रो0 सम्पत सिंह (भटटू कला): स्पीकर साहब, आज हाउस के सामने बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी की रिपोर्ट आयी है। मै खुद इस कमेटी का मैम्बर हू लेकिन मेरी कार बीमार होने की वजह से मै समय पर नही पहुच पाया। (व्यवधान व भाोर) एक तो यहा चण्डीगढ मे पडी थी और दूसरी हिसार वर्क ााप मे पडी थी। सरकार कार की एन्टाईटलमैट तो मेरी है लेकिन उसके बारे मे बात मै अलग से बताऊगा। व्यवधान स्पीकर साहब, अभी जो रिपोर्ट पर आई है उसके बारे मे मुझे खेद के साथ यह कहना पडता है कि यह बहुत ही अल्पावधि का सै ान हो रहा है। 10 सिटिग्ज ही हो रही है। डेटस के हिसाब से यह तो तीन हफते तक यानि 25 तारीख तक सै ान चलेगा। इस बारे मे मुख्यमंत्री महोदय का एक ब्यान भी आया था कि तीन हफते तक इस सै ान को चलायेगे। लेकिन जैसे वीरेन्द्र सिह जी ने कहा कि कम से कम 20 सिटिग्ज होनी चाहिए। मै भी यह कहना चाहता हू कि अगर 20 का आकडा ठीक नही बैठता हो तो 20 कर दो। अगर ऐसा कर दे

तो बहुत बढिया रहेगा। जहा तक गवर्नर एड्रैस का ताल्लुक है। इस गवर्नर ऐड्रैस मे सारी स्टेट मे जो कुछ हो रहा है और कुछ आगे सरकार करने जा रही है। ऐसी सारी बाते उसके अन्दर आती है। उन चीजो पर लम्बी बहस होती है। ऐसी बाते जो है नही कि हमारी मैम्बर्ज ही न हो । विघन मैम्बरि ाप का जहा तक ताल्लुक है 1988 के फर्स्ट बजट सै ान मे हमारी सरकार थी और उस समय केवल 5 भाई आपोजी ान के थे। उन मे से भी दो तीन आते नही थे। कैप्टन अजय सिंह इनके साथ थे। उसके बावजूद सोलह सिटिग्ज हुई थी। स्पीकर साहब, उस समय कोई अपोजी ान है और जैसा कि श्री वीरेन्द्र सिंह ने कहा अपोजी ान की सख्या बढती ही जा रही है सरकार के मंत्री भी और सरकार के एम0एल0एज0 भी इस बार मे और सभी साथी कुछ न कुछ कहना चाहते है। सभी सदस्य विकास कार्यो के बारे मे और अपने अपने हल्को के बारे मे जिकर करना चाहते है। जब हम अपने हल्को मे जाते है तो वहा पर लोग कहते है कि फला समस्या के बारे मे हाउस मे जिकर करना है। स्पीकर साहब, जब टाईम ही नही होगा तो फिर सदस्य कैसे अपनी समस्याओ के बारे मे जिकर कर सकेगे।

स्पीकर साहब, जहा तक बजट का सम्बन्ध है उसके लिए तो समय बहुत ही अल्प कर दिया है। पहले दिन बजट पे ा होगा। उस दिन तो उस पर कुछ नही बोला जाएगा। दूसरे दिन

बहस होगी और तीसरे दिन वित्त मंत्री रिप्लाई देगे। इस तरह से एक दिन बजट पर बहस का मिला क्योकि तीसरे दिन तो वित्त मंत्री ही जवाब देगे। (व्यवधान व भाोर) मै तो यही कह रहा हू कि एक दिन बजट पे ा होगा, दूसरे दिन उस पर बहस होगी और तीसरे दिन रिप्लाई दिया जाएगा। (व्यवधान व भाोर) आप इसमे ग्राटस, सप्लीमैन्टरी ऐस्टीमेटस और ऐप्रोप्रिए ान बिल न जोडे। बजट पर तो बहस के लिए केवल एक दिन ही मिल रहा है। स्पीकर साहब, आप स्वय देख सकते है कि डिस्क ान के लिए केवल एक दिन रखा है। एक दिन रिप्लाई के लिए दिया है और एक दिन बजट पे ा करने के लिए दिया है। (व्यवधान व भाोर) स्पीकर साहब, बजट पर डिस्क ान के लिए आप पाच दिन रख ले। अध्यक्ष महोदय, आप सरकार पर अपना असर डाले और सरकार को प्रभावित करके बजट पर डिस्क ान के लिए पांच दिन का समय रख ले तेा अच्छी बात है। we will be thankul to you Speaker Sir. सै ान को पहले करने मे हम कोई एतराज नही है। नौ बजे करने मे हमे कोई एतराज नही है। स्पीकर साहब, इन्होने एक साथी पर तो हाथ फेर दिया और दूसरे की सीट बदल दी। स्पीकर साहब, ये बजट को इतनी जल्दी पास करवा रहे है इसके पीछे क्या बात है। आप अपना असर सरकार पर डाले। स्पीकर साहब, सरकार 23 तारीख को भी सै ान कर रही है। उस दिन भाहीदी दिवस है। उस दिन सरदार भगत सिह, राजगुरू, और सुखदेव का भाहीदी दिवस है और हो सकता है कि उस दिन गजेटिड होलिडे भी हो। उस दिन सिटिग नही करनी चाहिए। हम

उन भाहीदो का मान सम्मान करना चाहिए। स्पीकर साहब, एक दिन सै ान न करने से कोई फर्क नही पडता। स्पीकर साहब, ये किसी बात से चिन्तित हो रहे है कि जल्दी सै ान खत्म कर रहे है। स्पीकर साहब, हो सकता है कि दिल्ली से कोई इ ाारा हो। टैरेटरी का झगडा है पानी का झगडा है, और कुछ मंत्री कुछ अलग बात कह रहे है। माहौल अनि चत है। स्पीकर साहब, जब तक सारी बाते क्लीयर नही होगी और पूरी तरह से डिस्क ान नही होगा और सरकार उसका जवाब नही देगी तो सारी बाते कहने का क्या फायदा है। दस दिन का सै ान रखकर ठीक नही किया जा रहा है। मैने अखबारो मे तीन हफते का सै ान हो रहा है। यहा पढा था और यह पढकर बहुत खु ाी हुई थी लेकिन यहा पर तो केवल दस दिन का ही सै ान हो रहा है। स्पीकर साहब, बीस का आकडा यदि ठीक न बैठे ता आप इक्कीस दिन का सै ान कर दे यही ठीक रहेगा।

चौधरी बसी लाल तो ाामः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिग मे यह बात की थी कि 16 तारीख से पजाब का सै ान भाुरू हो रहा है। इसलिए उनके साथ हमारा टाईम क्लै ा नही करना चाहिए। उस समय स्पीकर साहब, इस हफते नौ बजे रखा है। नौ बजे बहुत जल्दी है। इतने बजे मैम्बर्ज को तैयार होने मे दिक्कत आती है। मेरा कहना यह है कि इस हफते तो 9.30 बजे को तैयार होने मे दिक्कत आती है।

मेरा कहना यह है कि इस हफते तो 9.30 बजे सै ान रख ले और सोलह तारीख से 9 बजे रख ले तो हम कोई एतराज नही है।

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हमे इसमे कोई एतराज नही है। नौ बजे का समय इसलिए रखा था ताकि मैम्बर्ज को ज्यादा टाईम बोलने के लिए मिल जाए।

एक आवाजः नौ बजे तक केवल चार ही घटे होते है और साढे नौ बजे से डेढ बजे तक भी चार घटे होते है। इसलिए ज्यादा समय का सवाल ही नही है।

श्री बसी लालः स्पीकर साहब, सुबह नौ बजे तैयार होने मे मु कल होगी। आप चाहे तो सोलह तारीख से नौ बजे रख ले।

चौधरी भजन लालः कुछ लोग तो सुबह छ बजे ही तैयार हो जातें है। हो सकता है आपको कुछ दिक्कत होती हो। आपकी दिक्कत को देखते हुए इस हफते यानि 10 से 13 तारीख तक सै ान साढे नौ बजे तक करने मे हमे कोई एतराज नही ।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, पिछले सै ान मे भी यह बात हुई थी और इन्होने उस समय यह कहा था कि हम डैमोक्रेसी बाई डैलीब्रे ाज चलाएगे। यह परम्परा रही भाी है और अब की बार हमे यह पूरी उम्मीद थी कि यह सै ान लम्बा चलेगा। स्पीकर साहब, आप भी पुराने पार्लियामैन्टेरियन है। आप भी हमारी बाते से सहमत होगे कि बजट सै ान तो कम से कम एक महीने

तक होना चाहिये। हमारा पडौसी राज्य हिमाचल है, जो कि हमसे छोटा राज्य है वंहा पर भी सै ान 45 दिनो तक चलता है। अब इसी भवन मे हमारे पडौसी राज्य पजाब का बजट सै ान भी होने जा रहा है। एक छत के नीचे एक ही पार्टी की दो सरकारे होगी। वहा का सै ान भी लम्बा चलेगा। हमे पानी राजधानी व हिन्दी पजाबी भाशी क्षेत्रो के मसले पर खुलकर बोलना है। लेकिन जब मैने आज बी0ए0सी0 की रिपोर्ट देखी तो बडी सप्लीमैन्ट्री ऐस्टीमेटस भी आएगी। गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर बहस होगी और बजट पर भी बहस होगी। हरियाणा प्रदे ा के अन्दर उग्रवाद की जो समस्याए है उन सब पर डिवेट होगी। यह सारा काम कैसे इतना थोडी सिटिग्ज मे खत्म हो पाएगा? कैसे हम लोगो की भावनाओ को यह सदन के सरकार के सम्मुख रख सकेगे ? गवर्नर ऐड्रैस पर डिवेट के तुरन्त बाद सी0एम0 साहब इतने है कि पानी का मसला छोडो चण्डीगढ का मसला उठाओ इस तरह की और भी कई बाते यहा पर चर्चा का विशय होगी। आप तो स्पीकर साहब, अच्छी तरह सें जानते है कि आज हरियाणा प्रान्त के अन्दर कोई अधिकारी सुरक्षित नही है। खेतो मे किसान सुरक्षित नही है। कोई कर्मचारी सुरक्षित नही है एक तरफ तो समस्त हरियाणा असुरक्षित महसूस कर रहा है और दूसरी तरफ दोनो प्रान्तो तो सरकारे अपने अपने निजी स्वार्थी के पीछे भाग रही है। गरीब जनता की किसी को कोई परवाह नही है। तो हम इस प्रकार के कई मसले इस सदन मे रखना चाहते है और उन पर चर्चा करना चाहते हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि

आप ही इस सरकार पर जोर डले कि इस बजट सै ान की सिटिग्ज को बढाए और कम से कम 20 सिटिग्ज इस बजट सै ान की होनी चाहिये ताकि हम अपने विचारो को खुल कर इस सदन के सम्मुख रख सके। हरियाणा की जनता की तकलीफो को आपके द्वारा इस सदन मे रख सके और यह तभी सम्भव हो सकता है जब इस सै ान की अवधिा कम से कम 20 दिनो की रखी जाए। मुझे पूर्ण आ ाा है कि सरकार हमारे इस सुझाव का अव य मानेगी। धन्यवाद।

राजस्व मंत्री (चौधरी वीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान मे मैने यही मुददा इस हाउस मे उठाया था कि सै ान का समय प्रात 9 बजे से बाद दोपहर डेढ बजे तक का होना चाहिये ताकि हमे यहा पर बोलने के लिए आधा घन्टा और ज्यादा मिल जाए। इस बात से अपनी राय जाहिर की थी और माना भी था कि ठीक है लेकिन आज जो बी0ए0सी0 की रिपोर्ट भाई है उसमे 1 बजे तक का ही समय रखा गया है अत मेरा निवेदन है कि इस बारे मे अव य ही दोबारा विचार कर लिया जाए तो बेहतर रहेगा।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): स्पीकर साहब, यह जो बी0ए0सी0 ने अपना प्रोग्राम दिया है मै उसके खिलाफ बोलने के लिए खउी हुई हू। भाई सम्पत सिह जी ने भी बिल्कुल ठीक कहा है कि बजट सै ान के लिए बहुत थोडा समय रखा गया है। हमने यहा हाउस मे बहुत से मुददो पर अपने अपने विचार रखने है। इस

समय 40–45 बोर्डज और करपोरे ानज हरियाणा के अन्दर है जिनकी रिपोर्ट भी सबमिट होनी है। उन रिपोटो पर भी हमने अपने विचार रखने है। हम सब जानते है कि इन बोर्डो और करपोरे ानज मे जो फिजूल का खर्चा हो रहा है वह बिना किसी काम के ही हो रहा है। बडे बडे घपले इन मे हो रहे है इन बोर्डो व कारपोरे ानज की रिपोर्ट पर पिछली बार भाी समय के अभाव के कारण, भागदौड के कारण कोई डिस्क ान नही हो सकी है और न ही इस सै ान मे भी थोडी सिटिगज के कारण हम अपने विचार खुल कर रख सकेगे। स्पीकर साहब, आप ही बताए कि कैसे हम इनते थोडे समय के अन्दर उन रिपोर्टो पर व सरकार के काम काज पर रो ानी डाल सकेगे? इसके लिये बाकायदा समय दिया जाना चाहिये। इसलिए इस सै ान के समय को और बढाया जाना चाहिये ताकि हम सरकार की गलतियों के पुलदे को यहा हाउस के सामने खोल सके। इस सदन के सामने सरकार की कार गुजारियों को नंगा कर सके और यह बता सके कि ये जो हरियाणा के अन्दर इतने बोर्डज व कारपोरे ानज बना रखे है वे क्या क्या काम करते है। किस तरह से हरियाणा की गरीब जनता के पैसे की बर्बाद किया जा रहा है हमे बोलने क लिये ज्यादा समय चाहिये ताकि हम सरकार के इन बोर्डा का पर्दा फा ा कर सके कि कहा कहा पर घपलेबाजी हुई है ताकि सरकार के गलत कामो का सरकार को और हरियाणा की जनता को पता लग सके। बडी हैरानी की बात है कि इस बजट सै ान मे केवल 10 सिटिग्ज ही रखी गई है स्पीकर साहब, मुझे याद है कि हमारे पडौस राज्य

पजांब मे दो दो महीने तक सै ान चलता था इसलिये मेरी आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना कि कम से कम इस बजट सै ान की 20 सिटिग्ज तो होनी चाहिए। यह सरकार इतने थोडे समय से अपने सारे काम काज को निपटा कर जल्दी मे भागना चाहती है। यह तो सरासर अनुचित है। लोगो के साथ इस सरकार द्वारा जो जो ज्यादतियो हो रही है अगर उनको हम यहा पर डिसक्स भी न कर सके। तो यह सरासर हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड है। इस छोटे के सै ान के कारण, हमे अपनी पूरी बाते रखने का समय भी नही दिया जा रहा है ंयह बडे ही दुख की बात हैं

पिछली बार भी इन रिपोर्टस पर डिस्क ान नही हो सकी। एक आध रिपोर्ट पर मैने बोलने की कोि ा ा की लेकिन बाकी रिपोर्टस पर नही बोल सकी। इसलिए मै चाहता हू कि सै ान का समय ज्यादा बढाया जाए। यह समय तो बहुत थोडा है इसमे हम लोगो की दिक्कतो के बारे मे नही बोल सकेगे। हम लोग ऐडमिनिस्ट्रे ान के बारे मे बोलना चाहते है। जिला हैउ क्वार्टर्ज पर दफतरो मे आपके अफसर बैठते नही है और काम नही करते है इन सब बातो क लिए हम बोलना चाहते है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि हाउस की सिटिग्ज ज्यादा बढनी चाहिए।

सिचाई तथा बिजली मंत्री श्री भामे ार सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय अपोजी ान के लीडर तथा दूसरे ग्रुपस के लीडर्ज ने बिजनैस एडवाइज्री कमेटी की रिपोर्ट पर आपत्ति जाहिर की है। सब ने एक ही बात कही कि यह थोडा समय है इससे दुगना

समय होना चाहिए। उन्होने यह भी कहा कि जब पहले उनको पार्टी राज सत्ता मे थी तो इन्होने लम्बे लम्बे सै ान चलाए और डिस्क ान का पूरा मौका दिया था। दरअसल अध्यक्ष महोदय, आज जो सुबह 11 बजे आपकी अध्यक्षता मे मीटिग हुई थी उसमे अपोजी ान के सीनियर मोसट लीडर चौधरी बंसी लाल जी मौजूद थे और यह रिपोर्ट सर्व सम्मत है। मुझे अफसोस है कि लीडर आफ दि अपोजी ान उस मीटिग मे नही आए। अगर इनको उत्सुकता थी तो वे कम से कम उस मीटिग मे आते। चौधरी बंसी लाल जी उस मीटिग मे नही आए। अगर इनको उत्सुकता थी तो वे कम से कम उस मीटिग मे आते। चौधरी बसी लाल जी उस मीटिग मे मौजूद थे और मुख्यमंत्री जी ने उनकी बात सुनने के बाद एक दिन का सै ान बढाना मान लिया। जहा तक इस बात का ताल्लुक है कि सै ान के लिए समय थोडा रखा गया है उनके बारे मे मै कहना चाहूगाा कि इस बार तो दो दिन गवर्नर ऐर्डरस पर बहसे के लिए रखे गए है उसके बाद 16 तारीख को बजट पै ा किया जाएगा और बजट बहस के लिए चार दिन रखे गए है अध्यक्ष महोदय, जब से हरियाणा बना है मेरे पास आकडे है कि बजट पर चार दिन बहस कभी भी नही हुई । मै आपको आकडे पढ कर सुनाता है। 1988 मे बजट पर केवल दो दिन बहस हुई और 1989 मे भी दो दिन बहस हुई––

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः अभी उन्होने कनक्लूड नही किया है इनको बोलने दे। आप अपना प्वायट आफ आर्डर बाद मे कर सकते है।

श्री भाम ोर सिह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जब कोई बात इनके खिलाफ जाती है तो ये भाोरो गुल करना भुरू कर देते है। विघन।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मै इनसे कहना चाहती हू कि अगर पिछली सरकार ने कोई अच्छी अच्छी उदाहरण न रखी हो तो क्या यह जरूरी है कि आप उसको फालो करे। आप अच्छी उदाहरण कायम कर सकते है।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। स्पीकर साहब, हमने एक अच्छी उदाहरण रखी थी। अगर इनमे हिम्मत है तो ये 1988 के बजट सै ान की टोटल सिटिग्ज बता दे। ये सैक्रेटरी साहब को कह कर रिकार्ड मगवा ले। उस साल हमने 16 सिटिग्ज की थी। आप रिकार्ड से देख सकते है।

श्री भाम ोर सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, 1990 मे बजट पर दो दिन बहस के लिए रखे गए थे। यह तो उस सरकार का तीन साल का रिकार्ड है जिस सरकार मे चौधरी सम्पत सिह जी भाामिल थे। बाकी पिछले सालो के बारे मे कुछ भी बताने की जरूरत नही है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूगी कि क्या आप इनकी नकल करेगे? अगर आप नकली करेगे तो इन्होने चार साल मे 6 मुख्यमंत्री बनाए थे, आप कितने बनाएगे। हंसी।

श्री भाम ोर सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे साथी कह रहे थे कि बजट पर डिस्क ान के लिए टाईम ही नही दिया गया है। दरअसल 16 तरीख को बजट पे ा किया जाएगा और 17 तारीख को बजट पर बहस भाुरू होने के बाद बहस करने के लिए पांच दिन का समय दे रहे है। मै अपने अपोजि ान के माननीय सदस्यो को एक बात याद दिलाना चाहता हू कि इनका जो 14 या 15 सिटिग्ज का सै ान था उस सै ान मे लैजिस्लेटिव बिजनैस बहुत ज्यादा था लेकिन इस सै ान मे तो लैजिस्लेटिव बिजनैस नही है। इसलिए मैम्बर साहबान को बजट पर डिस्क ान के लिए बहुत ज्यादा टाईम मिलेगा। तो स्पीकर साहब इस मो ान को यथा सं ाोधित पास किया जाए।

वाक आउट

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, 1988 मे बजट सै ान की 16 सीटिग्ज हुई थी। यह तो केवल 10 सीटिग्ज ही कर रहें है यदि इन्होने 10 दिन ही सै ान चलाना है और सीटिग्ज नही बढानी है तो हम एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करते है।(ाोर एवम व्यवधान) ।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अगर इन्होने सै ान की 10 सीटिग्ज की करनी है और 10 से ज्यादा सीटिग्ज नही बढानी है तो हम भ सदन से वाक आउट करते है। (ोर)

(इस समय जनता पार्टी हरियाणा पार्टी सिवाए श्री औमप्रका ा भार्मा के जनता दल और भारतीय जनता पार्टी के उपस्थित सदस्य सदन के वाक आउट कर गए।)

बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पर मतदान

Mr. Speaker: Now, I will put motion as further a mended to the vote of the House.

Question is-

That this House agree with the recommendations contaired in the First Report of the Business Advisory Commitee with the mofification that the Assembly shall meet from 10th 13th March 1992 from 9-30 a.m to 1-30. p.m and it shall meet on Monday, the 16th and 23rd March 1992 at 2-00 p.m and adjourn at 6-30 p.m without question being put

The motion was carried

सदन की मेज पर रखे गऐ पुन रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now a Minister will lay re-relay papers on the Table of the House.

Irrigation & Power Minister Shri Shamsher Singh Surjewala): Sir I beg to re- lay on the Table.

1. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R 17/H.A/20/73S-13-B, 25 A and 64/91, dated the 26th March 1991 regarding the Haryana General Sales Tax Third Amendment Rules, 1991 as requried under Section 64 (3) of the Haryana General Sales.

2. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R 37/H.A/20/73S.64/91, dated the 20th June 1991 regarding the Haryana General Sales Tax Third Amendment Rules, 1991 as requried under Section 64 (3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

3. The Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R 72/H.A/20/73/S 64/91, dated the 15th November 1991 regarding the Haryana General Sales Tax Third Amendment Rules, 1991 as requried under Section 64 (3) of the Haryana General Sales. Tax Act, 1973.

4. The General Administration Department General Services Notification No. G.S.R 12/Const./Art. 320/Amd 1st/ 1991 dated the 5the March 1991 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Regulation, 1991 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

5. The General Administration Department General Services Notification No. G.S.R 27/Const./Art. 320/Amd 2nd/ 1991 dated the 2nd May 1991 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment

Regulation, 1991 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

6. The General Administration Department General Services Notification No. G.S.R 28/Const./Art. 320/Amd 3rd/ 1991 dated the 10th May 1991 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Regulation, 1991 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

7. The General Administration Department General Services Notification No. G.S.R 62/Const./Art. 320/Amd 4th/ 1991 dated the 25th September 1991 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Regulation, 1991 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

8. The General Administration Department General Services Notification No. G.S.R 71/Const./Art. 320/Amd (5)/ 1991 dated the 12th November, 1991 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Regulation, 1991 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

9. The General Administration Department General Services Notification No. G.S.R 55/H.A/9/79/S. 8/ 1991 dated the 23re August, 1991 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Facilities to Members First Amendment Rules, 1991 as required under Section 8(3) of the Haryana Legislative Assemble Facilities to Members Act, 1979.

Sir I beg to lan the table-

10. The General Administration Department Notification No. G.C.R 3/Const/Art/ 320/92 dated the 10th January 1992 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Regulation, 1992 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

11. The General Administration Department General Serives General Services Notification No. G.C.R 5/Const/Art/ 320/92 dated the 13th January 1992 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Regulation, 1992 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

12. The General Administration Department General Serives General Services Notification No. G.C.R 6/Const/Art/ 320/92 dated the 13th January 1992 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Regulation, 1992 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

13. The General Administration Department General Serives General Services Notification No. G.C.R 7/Const/Art/ 320/92 dated the 13th January 1992 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First Amedment Regulation, 1992 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

14. The General Administration Department General Serives General Services Notification No. G.C.R 8/Const/Art/ 320/92 dated the 13th January 1992 regarding the Haryana Public Service Commission Limitaion of Functions First

Amedment Regulation, 1992 as required under Article 320(5) of the constituttion of India.

15. The General Administration Department General Serives General Services Notification No. G.C.R 77/H.A 20/73/S 64/91 dated the 26th January 1992 regarding the Haryana General Sales Tax Sixth Amendmetn Rules, 1991 as required under Section 64 (3) of the Haryana General Sales Tax Act 1973.

16. The 14th Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited for the Year 1987-88 as requried under Section 619-A (3) of the Companies Act, 1956.

17. The Adminstration Report of the Haryana State Electricity Board for the Year 1989-90 as required uder Section 75(1) of the Electricity Supply Act, 1948.

18. The 24th Annual Statement of Account for the Year 19901-91 of the4 Haryana State Electricity Board as required under Section 69 (5) (a) of the Electricity Supply Act, 1948.

19. The Statement showing the loans raised by the Haryana State Electricity Board upto 15-1-1992 as required under section 66 of teh Electricity Supply Act, 1948.

वर्श 1991–92 के सप्लीमैटरी ऐस्टिमेटस (सैकिन्ड इस्टालमैट) पे ा करना

Mr. Speaker: Now the Finace Minister will present the Supplementary Estimates Second Instalment 1991-92.

वित मंत्री श्री मार्ग राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मै 1991–92 के अनुपुरक अनुमान दूसरी किस्त पे ा करता हू।

ऐस्टिमेटस कमेटी की वर्श 1991–92 के सप्लीमैटरी ऐस्टिमेटस (सैकिन्ड इस्टालमैट) पे ा करना

Mr. Speaker: Now Shri Om Parkash Beri, Chariman, Committee on Estimates, Will present the Report of the Committee on Estimates on the Supplementary (Estimates Second Instalment) 1991-92.

Chaudhari Om Parkash Beri (Chairman, Committee on Estimates): Sir, I beg to present the Report of the committee on Estimates on the Supplementary Estimates (Second Instalment) 1991-92.

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 9.30 a.m tomorrow.

16.44 Hrs.

(The Sabhan then adjoruned till 9-30 a.m on Tuesday, the 10th March 1992).